RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 180 , बुधवार, 12 अगस्त 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रगान व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की स्क्रीनिंग संपन्न 03

शहीद रामगोविंद सिंह के 84वें शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि सभा 04

सिद्धि विनायक के द्वार पहुंचीं प्रियंका चोपड़ा एसएस राजामौली की फिल्म... 07

संक्षिप्त समाचार

वंदे मातरम् के जयघोष के साथ हुई एनडीए संसदीय दल की बैठक

नईदिल्ली (एजेंसी)। संसद भवन की लाइब्रेरी बिल्डिंग में एनडीए संसदीय दल की 'मंगल मिलन' बैठक शुरू हो गई। बैठक की शुरुआत 'वंदे मातरम्' के जयघोष के साथ हुई। पीएम मोदी, गृह मंत्री शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन समेत एनडीए के अन्य नेता बैठक में शामिल हुए।

पीएम मोदी की इंस्टाग्राम वीडियो में देशवासियों से अपील, हर घर तिरंगा अभियान में शामिल हों- पीएम मोदी ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर वीडियो जारी किया। उन्होंने देशवासियों से हर घर तिरंगा अभियान में हिस्सा लेने की अपील की। पीएम ने कहा- 15 अगस्त को आन-बान-शान से मनाएं और स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दें। विकसित भारत का संकल्प लें। हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा, हर मन तिरंगा। आइए हर घर पर तिरंगा लहराइए।

पुणे-सतारा हाईवे पर कार ट्रक से टकराई, चार युवकों की दर्दनाक मौत, दो गंभीर

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र में शिरवल के पास पुणे-सतारा हाईवे पर हुए एक भयानक सड़क दुर्घटना में चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। शुरुआती रिपोर्ट से पता चला है कि, यह भयानक हादसा तब हुआ जब ड्राइवर ने कार पर से अपना नियंत्रण खो दिया और वाहन हाइवे के डिवाइडर से टकराकर पलट गई।

बेंगलुरु के होटल में शख्स ने 2 बेटियों की गला दबाकर हत्या की

फिर सुसाइड की कोशिश की

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के एक 5-स्टार होटल में दो बच्चियों के शव बेड पर मिले, जबकि उनके पिता गंभीर हालत में टॉयलेट में मिले। पुलिस के मुताबिक, 40 साल के एसजी इमरान ने पहले अपनी 10 और 5 साल की बेटियों की गला घोंटकर हत्या की और फिर चाकू से अपना गला काटकर आत्महत्या की कोशिश की। होटल सिक्योरिटी ने उसे मणिपाल अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत गंभीर है।

गांजा पीकर फ्लाइट उड़ा रहा था एअर इंडिया का पायलट, दूसरे टेस्ट में हुई पुष्टि

नईदिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया की फुकेट-दिल्ली फ्लाइट के पायलट की पोस्ट-फ्लाइट स्क्रीनिंग में ड्रग्स की पुष्टि हुई है, जिसकी लैब रिपोर्ट मंगलवार को जारी हुई। 300 फीट के अचानक आए ड्रॉप और यात्रियों के घायल होने के मामले में एक बड़ा और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। इस उड़ान के पायलट-इन-कमांड (मुख्य पायलट) का दूसरा डोप टेस्ट भी पॉजिटिव पाया गया है।

भारत की चीन को दो टूक

अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा, इसे कोई बदल नहीं सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश और अरुणाचल प्रदेश से जुड़े दो अहम मुद्दों पर भारत का रुख स्पष्ट किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारतीय दूत दिनेश त्रिवेदी ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री रहमान से मुलाकात की। भारत ने उन्हें द्विपक्षीय यात्रा के साथ-साथ दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स आउटरीच सत्र के लिए भी आमंत्रित किया है।

दिल्ली में मीडिया ब्रीफिंग के दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भारत-चीन सीमा संबंधी मामलों पर भारत का रुख स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखना बेहद महत्वपूर्ण है। भारत ने यह भी स्पष्ट किया है कि सीमा की स्थिति का असर दोनों देशों के व्यापक द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ता है।

चीन की ओर से अरुणाचल प्रदेश को लेकर आई प्रतिक्रिया पर पूछे गए सवाल के जवाब में रणधीर जायसवाल ने भारत की स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह एक ऐसी वास्तविकता है जो स्वयं स्पष्ट है और इस निर्विवाद सच्चाई को कुछ भी नहीं बदल सकता।

अब 'वंदे मातरम्' का अपमान होगा अपराध

राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद कानून हुआ लागू

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् का अपमान करना अब अपराध माना जाएगा। लोकसभा और राज्यसभा से 'वंदे मातरम् बिल' को मंजूरी मिलने के बाद आज मंगलवार, 11 अगस्त को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी इस विधेयक को मंजूरी दे दी है, जिससे अब यह कानून बन गया है।

इस कानून के लागू होने से राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' को जानबूझकर गाने से रोकना या उसमें बाधा डालना अपराध माना जाएगा। इस बिल से इसे वही कानूनी सुरक्षा मिलेगी जो अभी राष्ट्रीय गान को मिलती है।

राष्ट्रपति की मंजूरी के साथ ही, राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) बिल, 2026 अब कानून बन गया है। यह कानून 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रीय गान 'जन गण मन' के बराबर का दर्जा देता है। राज्यसभा ने इस बिल को 29 जुलाई को मंजूरी दी थी। वहीं लोकसभा में यह बिल 30 जुलाई को पास हुआ था। अब राष्ट्रपति ने भी इस विधेयक को मंजूरी दे दी है, जिससे अब यह विधेयक, कानून बन गया है।

फसल बीमा योजना

अब किसानों को क्लेम के वक्त नहीं होगी परेशानी

● राजस्थान सरकार ने खरीफ के लिए नए दिशा-निर्देश जारी

जयपुर (एजेंसी)। कृषि विभाग द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत फसल बीमा पॉलिसियों को जारी करने से पहले वेरिफिकेशन सुनिश्चित करना होगा। राजस्थान में पीएम फसल बीमा योजना के लिए नए दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। ये निर्देश खरीफ 2026 से लागू होंगे।

होगा पॉलिसी का वेरिफिकेशन

कृषि आयुक्त नरेश कुमार गोयल ने बताया कि जिन किसानों ने ने किसान क्रेडिट कार्ड के जरिए लोन नहीं लिया है, उनकी पॉलिसी का वेरिफिकेशन निर्धारित निर्देशों के अनुसार ही किया जाएगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित अधिसूचित बीमा कंपनी की होगी। उन्होंने बताया कि ऋणी किसानों की पॉलिसी सृजित करते समय किसानों की सहमति नहीं लेने तथा वास्तविक बोई गई फसल का बीमित फसल से मिलान न होने के कारण क्लेम भुगतान के समय विवाद उत्पन्न होते हैं। इसका समाधान पॉलिसी जारी करने के समय ही फसल की वेरिफिकेशन किया जाना जरूरी है।

देश के कई राज्यों में मानसून का तांडव

● हिमाचल में अब तक 157 लोगों की मौत, 886 करोड़ का नुकसान ● मप्र-राजस्थान-उप्र समेत 6 राज्यों में 48 घंटे से लगातार बारिश ● हिमाचल में चलती कार पर पत्थर गिरे, 259 सड़कें बंद, चमोली में बादल फटा, ब्रिज, बीआरओ कर्मचारी और वाहन बहे

नई दिल्ली/ जयपुर/ देहरादून/ भोपाल/ लखनऊ (एजेंसी)। मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हिमाचल और छत्तीसगढ़ में पिछले 48 घंटे से लगातार बारिश हो रही है। उप्र में भी लगातार बारिश जारी थी गंगा-यमुना उफान पर थी।

हिमाचल प्रदेश में मानसून की तबाही दिन-ब-दिन गहराती जा रही है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार लगातार हो रही भारी बारिश, भूस्खलन और बाढ़ ने राज्य में भारी तबाही मचाई है। 30 जून से 9 अगस्त तक की अवधि में राज्य भर में प्राकृतिक आपदाओं और हादसों में अब तक 157 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि राज्य को करीब 886 करोड़ रुपए का आर्थिक नुक्सान झेलना पड़ा है।

भोपाल में दो दिन से बारिश जारी है। यहां 24 घंटे में 7 इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। स्कूलों में दो दिन की छुट्टी कर दी गई। शहर में 1,000 से ज्यादा घरों के आसपास 5 फीट तक पानी भर गया।

वाराणसी घूमने आए महाराष्ट्र के कारोबारी की होटल में मौत

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में घूमने आए महाराष्ट्र के कारोबारी की मौत के बाद उसकी पत्नी और बेटे ने सुसाइड कर लिया। यह परिवार महाराष्ट्र से 7 अगस्त को बनारस पहुंचा था। यहां तीन दिनों तक उन्होंने गंगा स्नान किया और बाबा विश्वनाथ का दर्शन कर काशी का भ्रमण किया।

इस दौरान 9 अगस्त की देर रात होटल में अचानक से कारोबारी की तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उसे बीएचयू के ट्रॉमा सेंटर में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया। दूसरे दिन परिजनों ने हरिश्चंद्र घाट पर अंतिम संस्कार कर दिया। इसके बाद मां बेटे होटल लौट आए, जहां दोनों ने सुसाइड कर लिया।

लाठीचार्ज के विरोध में भाजपा का झारखंड बंद

● स्कूल, दफ्तर खुले, कई जगह बाजार बंद एवं सड़कें जाम ● विधानसभा घेराव के दौरान ABVP कार्यकर्ताओं-पुलिस में झड़प

रांची (एजेंसी)। झारखंड के रांची में सोमवार को हुए लाठीचार्ज के विरोध में भाजपा ने मंगलवार को राज्यव्यापी बंद बुलाया। रांची में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कई जगह सड़कें जाम कीं। कुछ जिलों में कार्यकर्ता जबरन दुकानें बंद कराते भी नजर आए। कई शहरों में पुलिस ने लोगों को हिरासत में लिया है। हालांकि, कई प्राइवेट स्कूल खुले हुए थे। इधर, झारखंड विधानसभा घेराव के दौरान एबीवीपी कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प हुई। कार्यकर्ता पुरानी विधानसभा के पास जुटे थे, जहां उन्हें हिरासत में लेने के लिए पुलिस पहुंची।

हेमंत सरकार का बड़ा फैसला

14वीं जेपीएससी पीटी समेत 2023-25 की कई परीक्षाएं होंगी रद्द- झारखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के बीच हेमंत सोरेन सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री ने 14वीं जेपीएससी पीटी समेत कई परीक्षाएं रद्द करने और अन्य परीक्षाओं की जांच कराने का ऐलान किया है।

सीएम हेमंत बोले- विपक्ष युवाओं को भटका रहा है-

झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान विपक्ष लगातार छात्र आंदोलन का मुद्दा उठा रहा है। वहीं मंगलवार को सदन की कार्यवाही के दौरान सीएम हेमंत सोरेन ने कहा, 'विपक्ष युवाओं को भटका रहा है। विपक्ष हल्ला करता रहेगा, हम अपना काम करते जाएंगे।

आस्था का अनोखा अंदाज!

सुमित की साइकिल से 26 हजार किमी की यात्रा, 21 राज्य, 12 ज्योतिर्लिंग कवर

खटीमा (उत्तराखंड) (एजेंसी)। हौसले बुलंद और मंजिल पाने का दृढ़ संकल्प हो, तो कोई भी काम मुश्किल नहीं होता। खटीमा के युवा सुमित राजभर ने कुछ ऐसा ही कर दिखाया है। सुमित राजभर ने साइकिल पर सवार होकर करीब 26 हजार किलोमीटर का सफर, 21 राज्यों का भ्रमण, 12 ज्योतिर्लिंग और चार धामों के दर्शन किये हैं। एक साल बाद सुमित राजभर ने अपने गांव वापसी की है।

खास बात ये रही कि घर लौटते वक्त सुमित हरिद्वार से गंगाजल लेकर पैदल कांवड़ यात्रा करते हुए गांव पहुंचे। खटीमा पहुंचने पर लोगों ने फूल-मालाओं से उनका जोरदार स्वागत किया। सुमित

की ये यात्रा सिर्फ आस्था की कहानी नहीं, बल्कि नशामुक्त भारत और युवाओं को दृढ़ संकल्प का संदेश देने की प्रेरणादायक मुहिम भी रही। सुमित ने करीब एक साल तक साइकिल से देश भ्रमण करते हुए 26 हजार किलोमीटर का सफर तय किया।

21 राज्यों में पहुंचकर 12 ज्योतिर्लिंगों व चार धामों के दर्शन किए। 25 अगस्त 2025 को शुरू हुई उनकी यात्रा 10 अगस्त 2026 की शाम अपने गांव लौटने के साथ पूरी हुई। खास बात यह रही कि घर वापसी के दौरान सुमित ने हरिद्वार से गंगाजल लेकर पैदल कांवड़ यात्रा भी की।

जयपुर पुलिस के 22 पुलिसकर्मी सस्पेंड

● एक सिपाही ऐसा भी जो 4 साल से गायब, 38 बार नोटिस के बाद भी नहीं आया

जयपुर (एजेंसी)। वर्दी की नौकरी में अनुशासन सबसे जरूरी है। अनुशासनहीनता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाती है। पुलिस में भले ही लचीला व्यवहार नजर आ सकता है लेकिन आर्मी में तो बिल्कुल नहीं। वर्दी की अहमियत जानते हुए भी जयपुर के 22 पुलिसकर्मी पिछले लंबे समय से अपने ही अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना करते रहे। आखिर पुलिस कमिश्नर ने सख्ती दिखाई और 22 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया।

बिना सूचना के लंबे समय से गैरहाजिर- जयपुर आयुक्तालय में तैनात कई पुलिसकर्मी बिना सूचना के गैरहाजिर चल रहे थे। कोई एक साल से गैरहाजिर था तो कोई दो साल से।

सीएम सुवेंदु के हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के हेलिकॉप्टर की कोलाघाट में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। इसके बाद वे सड़क मार्ग से केशपुर के लिए रवाना हो गए। घटना की पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

संसद में गतिरोध कायम, हंगामे के चलते स्थगित

● संसद परिसर में एनडीए-कांग्रेस सांसद आमने-सामने आए ● भाजपा सांसद ने पूछा- राहुल झारखंड क्यों नहीं गए, प्रियंका का जवाब- वे छात्रों से मिल चुके

नईदिल्ली (एजेंसी)। संसद परिसर में एनडीए और इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने मंगलवार को एक-दूसरे के खिलाफ प्रदर्शन किया। एनडीए सांसदों ने विपक्ष पर संसद में चर्चा से भागने का आरोप लगाया, जबकि विपक्ष ने गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान दोनों पक्ष आमने-सामने भी आ गए। प्रियंका गांधी के संसद पहुंचने पर भाजपा सांसद राहुल गांधी के खिलाफ नारे लगाने लगे। भाजपा सांसद मुकेश दलाल ने पूछा कि राहुल झारखंड में छात्र प्रदर्शनकारियों से क्यों नहीं मिल रहे हैं। प्रियंका मुस्कुराती हुई उनके पास गईं और कहा- राहुल झारखंड गए हैं और छात्रों से मिल चुके हैं।

लोकसभा और राज्यसभा में भी हंगामा हुआ। लोकसभा की कार्यवाही पहले 11 बजे तक स्थगित की गई। दोपहर 2 बजे सदन दोबारा शुरू हुई थी, लेकिन करीब आधे घंटे बाद ही हंगामे के चलते कार्यवाही बुधवार तक स्थगित कर दी गई। राज्यसभा की कार्यवाही जारी है।

लोकसभा में केरल-नाम परिवर्तन विधेयक, 2026 पारित

संसद के मानसून सत्र संसद में विपक्षी सांसदों ने हंगामा किया। हंगामे के बीच लोकसभा में केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 पारित हुआ। हंगामे के बीच लोकसभा में दो बिल बिना चर्चा के पास हो गए। इनमें केरल (नाम में बदलाव) बिल, 2026 और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) बिल, 2026 शामिल है।

अब संसद से राहुल को 'भागना' नहीं चाहिए: इस बीच केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें अब संसद से 'भागना' नहीं चाहिए, क्योंकि गृह मंत्री अमित शाह उनके द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देने के लिए तैयार हैं।

विपक्ष नहीं चाहता कि मानसून सत्र चले: सांसद संबित पात्रा

बीजेपी सांसद संबित पात्रा ने कहा, विपक्ष नहीं चाहता कि मॉनसून सत्र चले। जब से सत्र शुरू हुआ है, विपक्ष अपनी मांगें बदलता रहा है। जब गृह मंत्री ने पूरी तैयारी और तथ्यों के साथ इस विषय पर बात रखने का प्रस्ताव रखा, तो राहुल गांधी सदन से भाग गए।

दस बच्चे पैलेट गन से घायल हुए: सांसद डिंपल यादव

समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने कहा, हम दोनों मुद्दों पर बयान चाहते हैं, लेकिन गृह मंत्री सदन में आकर बयान देने को बिल्कुल तैयार नहीं हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि आरटीआई से मिली जानकारी से पता चला है कि कम से कम दस बच्चे पैलेट गन से घायल हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

4 साल के अफेयर के बाद मंदिर में की शादी, प्रेमिका बोली-सच्चे प्यार करने वाले को शादी कर लेना चाहिए

हाजीपुर। वैशाली के महुआ थाना क्षेत्र के पुरानी बाजार स्थित महावीर मंदिर परिसर में एक प्रेमी जोड़े की शादी का वीडियो वायरल हो रहा है। यह शादी रविवार को हुई, जब एक युवक और युवती विवाह करने मंदिर पहुंचे। दोनों के बीच लगभग चार साल पहले फेसबुक के माध्यम से दोस्ती हुई थी। यह दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। दोनों ने अपनी मर्जी से शादी करने का फैसला किया। वे घर से निकलकर महुआ पुरानी बाजार स्थित महावीर मंदिर पहुंचे और हिंदू रीति-रिवाज से सात फेरे लिए। यह मामला महुआ थाना क्षेत्र के पहाड़पुर गरजौल गांव का है। गरजौल निवासी आयुष कुमार और सोनाली प्रिया ने चार साल पहले फेसबुक के जरिए संपर्क स्थापित किया था, जो बाद में प्रेम संबंध में बदल गया। मंदिर परिसर में पंडित ने हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार दोनों का विवाह संपन्न कराया। इस दौरान युवक-युवती ने एक-दूसरे को वरमाला पहनाई और साथ जीने-मरने की कसमें खाईं। शादी की खबर मिलने पर मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। लोग इस अनोखी प्रेम कहानी और फेसबुक से शुरू हुए रिश्ते के शादी में बदलने को लेकर चर्चा करते दिखे। शादी के बाद जोड़े ने बताया कि वे दोनों बालिग हैं और अपनी मर्जी से शादी कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि शादी को लेकर परिवार के किसी सदस्य को कोई आपत्ति नहीं है। आयुष कुमार ने बताया कि उन्होंने अपनी इच्छा से शादी की है और अब वे साथ मिलकर अपना जीवन बिताएंगे। सोनाली प्रिया ने जानकारी दी कि करीब चार साल पहले फेसबुक के माध्यम से आयुष से बातचीत शुरू हुई थी, जो प्यार में बदल गई। उन्होंने कहा कि वे दोनों शादी के बाद एक-दूसरे को पाकर बहुत खुश हैं। सोनाली प्रिया ने प्यार करने वाले युवाओं को संदेश दिया कि यदि प्यार सच्चा है और दोनों एक-दूसरे के साथ जीवन बिताना चाहते हैं, तो रिश्ते को शादी के मुकाम तक पहुंचाना चाहिए।

पिता बोले-'पैसे नहीं देने पर बेटी को मार दिया', कर्ज के दबाव में 30 वर्षीय विवाहिता की हत्या

हाजीपुर। वैशाली के जंदाहा थाना क्षेत्र के पीरापुर गांव में सोमवार सुबह एक 30 वर्षीय विवाहिता का शव उसके घर में मिला। मृतका की पहचान पीरापुर निवासी अमरजीत राम की पत्नी मिला देवी के रूप में हुई है। मायके वालों ने कर्ज चुकाने के दबाव में उसकी हत्या का आरोप लगाया है, जिसके बाद ससुराल पक्ष के लोग फरार बताए जा रहे हैं। मृतका के पिता शिवनाथ राम, जो महुआ थाना क्षेत्र के पहाड़पुर करहरिया गांव के निवासी हैं, ने आरोप लगाया है कि उनके दामाद अमरजीत राम ने घर बनाने के लिए कर्ज लिया था। वह इस कर्ज को चुकाने के लिए उनकी बेटी पर मायके से पैसे लाने का लगातार दबाव बना रहा था। पिता के अनुसार, पैसे न देने पर उनकी बेटी की हत्या कर दी गई। परिजनों ने यह भी बताया कि मिला देवी को उसकी सास, देवर, ननद और गोतनी द्वारा मारपीट का शिकार भी बनाया जाता था। परिजनों का आरोप है कि शादी के समय दहेज में पलंग सहित कुछ सामान न दिए जाने को लेकर भी उसे प्रताड़ित किया जाता था। सोमवार सुबह मृतका के फुफेरे भाई ने घटना की जानकारी उसके मायके वालों को दी। जब परिजन पीरापुर गांव पहुंचे, तो मिला देवी घर में मृत पड़ी थीं और ससुराल पक्ष के सभी लोग वहां से फरार थे। इसके बाद परिजनों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतका मिला देवी की शादी वर्ष 2009 में अमरजीत राम से हुई थी। उसके दो बेटे और एक बेटी हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, ससुराल पक्ष के लोगों के फरार होने की बात सामने आ रही है।

मुजफ्फरपुर- एनएच 28 पर चलती स्कॉर्पियो में लगी आग, गाड़ी से कूदकर 3 लोगों ने बचाई जान

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले के कांटी थाना क्षेत्र में NH-28 पर चलती स्कॉर्पियो में अचानक आग लग गई। ड्राइवर की सूझबूझ से गाड़ी सवार तीन लोगों की जान बच गई। आग लगने के बाद कुछ देर के लिए नेशनल हाईवे पर यातायात बाधित हो गया। स्थानीय निवासी प्रकाश ने बताया कि स्कॉर्पियो कांटी की ओर तेज गति से जा रही थी। अचानक गाड़ी के अगले हिस्से (बोनट) से धुआं निकलने लगा। ड्राइवर ने स्थिति को भांपते हुए तुरंत गाड़ी सड़क किनारे रोक दी। गाड़ी रुकते ही ड्राइवर समेत तीनों लोग तुरंत बाहर कूद गए। उनके कूदते ही स्कॉर्पियो में भीषण आग लग गई और लपटें उठने लगी। ड्राइवर ने अगर ने थोड़ी भी देरी की होती तो बड़ा हादसा हो सकता था। सड़क के बीचों-बीच

कार को धू-धू कर जलता देख नेशनल हाईवे 28 से गुजर रहे यात्री वाहनों और निजी गाड़ियों के पहिए थम गए। राहगीर और स्थानीय लोग दूर खड़े होकर इस खौफनाक मंजर को देखने लगे। देखते ही देखते स्कॉर्पियो का इंजन पूरी तरह जलकर खाक हो गया। स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत इस घटना की सूचना पुलिस और दमकल विभाग को दी। सूचना मिलते ही पुलिस फोर्स थाने में तैनात अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों और फायर ब्रिगेड की टीम ने काफी मशक्कत के बाद स्कॉर्पियो में लगी आग पर पूरी तरह काबू पाया। आग बुझने के बाद पुलिस ने क्रेन की सहायता से जल चुकी गाड़ी को सड़क किनारे हटवाया और यातायात को दोबारा सुचारू रूप से चालू कराया। कांटी थाना प्रभारी रविकांत पाठक ने बताया कि पुलिस को एनएच 28 पर एक स्कॉर्पियो में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस बल और फायर ब्रिगेड की टीम को तुरंत मौके पर भेजा गया। त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया गया है। इस घटना में किसी भी प्रकार के जान-माल का नुकसान नहीं हुआ है, सभी सुरक्षित हैं। प्राथमिक जांच और जानकारी के अनुसार, इंजन में शॉर्ट सर्किट होने की वजह से बोनट से धुआं उठा और आग लग गई। पुलिस प्रशासन की ओर से मामले में आगे की आवश्यक कानूनी और विभागीय कार्रवाई की जा रही है।

'एक बार विदाई दे मां...' धुन के बीच खुला जेल गेट, सुबह 3:50 बजे शहीद खुदीराम बोस को दी गई श्रद्धांजलि

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में मंगलवार की अहले सुबह जब पूरा शहर गहरी नींद में था, तब केंद्रीय कारा के बाहर देशभक्ति और श्रद्धा का माहौल था। रात के करीब 3 बजे केंद्रीय कारा का गेट खुला। अधिकारी, जनप्रतिनिधि, प्रबुद्ध लोग और पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर से आए शहीद खुदीराम बोस के गांव के लोग जेल परिसर में दाखिल हुए। रंगीन रोशनी से सजे परिसर में हुमाद की खुशबू के बीच धीमी आवाज में गीत बज रहा था- 'एक बार विदाई दे मां घूरे आसी, हांसी हांसी परबो फांसी...।' यही वह गीत था, जिसे गाते हुए महज 18 वर्ष की उम्र में खुदीराम बोस ने देश की आजादी के लिए फांसी के फंदे को गले लगाया था। उनकी शहादत दिवस पर उसी ऐतिहासिक जेल में श्रद्धांजलि का आयोजन हुआ। 11 अगस्त 1908 को जिस समय खुदीराम बोस को फांसी दी गई थी, ठीक सुबह 3:50 बजे अधिकारियों और लोगों ने फांसी स्थल पर पहुंचकर उन्हें सलामी दी और पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद सभी उस ऐतिहासिक सेल में पहुंचे, जहां शहादत से पहले खुदीराम बोस को रखा गया था। पश्चिम मेदिनीपुर से पहुंचे लोग अपने साथ शहीद के पैतृक गांव की मिट्टी और काली मंदिर का प्रसाद लेकर आए थे। फांसी स्थल पर मिट्टी में पौधे लगाए गए और प्रसाद अर्पित किया गया। इस दौरान पूरा परिसर श्रद्धा और देशभक्ति की भावना से भर गया। कार्यक्रम में तिरहुत प्रमंडलीय आयुक्त गिरिवर दयाल सिंह, पुलिस महानिरीक्षक चंदन कुशवाहा, जिलाधिकारी कुमार गौरव, वरीय पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्रा समेत कई अधिकारी मौजूद रहे। तिरहुत प्रमंडलीय आयुक्त गिरिवर दयाल सिंह ने कहा कि देश के वीर सपूतों ने आजादी के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे वीरों के बलिदान के बिना देश को आजादी मिलना बहुत मुश्किल था। आज उनके शहादत दिवस पर उन्हें नमन करते हुए गौरवान्वित महसूस हो रहा है। खुदीराम बोस के गांव के रहने वाले प्रकाश कुमार हलदर ने कहा, 'खुदीराम बोस को मृत्यु से पहले मेदिनीपुर जाने और वहां सिद्धेश्वरी मां का प्रसाद खाने की इच्छा थी। इसी भाव को याद करते हुए हम हर साल उनके शहादत दिवस पर मेदिनीपुर की मिट्टी और सिद्धेश्वरी माता का प्रसाद लेकर मुजफ्फरपुर आते हैं।' इसके बाद अधिकारियों ने कंपनीबाग स्थित खुदीराम बोस स्मारक पर पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

पुलिस कस्टडी में एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, घर से कैश-गहने

एजेंसी, पटना

- महंगी घड़ियां मिलीं, 6 लोगों ने मिलकर गिनी नोटों की गड्डियां, 3 जिलों में अधिकारी के 4 ठिकानों पर रेड

लघु जल संसाधन विभाग के कार्यपालक अभियंता (एग्जीक्यूटिव इंजीनियर) हरेंद्र कुमार के पटना, बांका और वैशाली में स्थित चार ठिकानों पर निगरानी ने रेड की है। हरेंद्र कुमार बांका में पोस्टेड हैं। उन्हें उनके सरकारी आवास से हिरासत में लिया गया है। पटना में उनके 2 ठिकानों पर जांच एजेंसी ने दबिश दी है। पटना आवास से कैश, काफी मात्रा में गहने मिले हैं। 6 लोगों ने मिलकर नोटों की गिड्डियां गिनीं। रेड में महंगी घड़ियां बरामद हुई हैं। वहीं हरेंद्र कुमार के वैशाली आवास पर एसयूवी की टीम ने करीब 6 घंटे तक रेड की। इसके बाद ढाई लाख रुपए नगद समेत कई जमीन के कागजात अपने साथ ले गई।

बांका में हिरासत में लिए गए एग्जीक्यूटिव इंजीनियरः इसके साथ ही हरेंद्र कुमार के बांका स्थित सरकार आवास और दफ्तर में भी विभागीय दस्तावेजों और रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। हरेंद्र कुमार को जांच एजेंसी ने उनके आवास से हिरासत में लेकर जिला स्थित दफ्तर ले गई।

अब वैशाली के पैतृक आवास पर छापेमारी : SVU की टीम ने हरेंद्र कुमार के वैशाली के पातेपुर थाना क्षेत्र के सिमरवाड़ा गांव में उनके पैतृक आवास पर रेड की। 2 गाड़ियों से टीम सुबह 9 बजे उनके घर पहुंची। छह घंटे तक चली छापेमारी के दौरान पातेपुर थाना अध्यक्ष समेत स्थानीय पुलिस की टीम भी मौके पर मौजूद थे।

बांका से पहले गयाजी में थी पोस्टिंगः एक महीने पहले ही हरेंद्र कुमार की बांका में लघु जल संसाधन विभाग में कार्यपालक अभियंता के पद पर पोस्टिंग हुई है। इससे पहले उनकी पोस्टिंग गयाजी में थी। गयाजी में पोस्टिंग के दौरान ही हरेंद्र कुमार के खिलाफ किसी शख्स ने निगरानी में शिकायत की थी।

आय से अधिक संपत्ति के मामले में FIR दर्जः निगरानी ने लघु जल संसाधन विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर हरेंद्र कुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया है। ऐसे मामलों में जांच एजेंसी अधिकारी की वैध आय, खर्च और अर्जित संपत्तियों के बीच अंतर की जांच की जाती है। इसके लिए बैंक खातों, जमीन-मकान से जुड़े दस्तावेज, निवेश और अन्य वित्तीय रिकॉर्ड की जांच की जाती है।

5 लाख का गांजा बरामद, पुड़िया बनाकर बेच रहा था व्यक्ति

पॉकेट खर्च निकालने के लिए बेचना किया शुरू

एजेंसी, पटना

पटना के श्रीकृष्णापुरी थाना क्षेत्र के मैनपुरा और राजापुल के आसपास गांजा बेचने के आरोप में पुलिस ने 64 वर्षीय रामनाथ सिंह को गिरफ्तार किया है। रामनाथ सिंह मूल रूप से सारण का रहने वाला बताया जा रहा है। वह पिछले करीब दो वर्षों से श्रीकृष्णापुरी इलाके में सक्रिय था और गांजा की छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर लोगों को बेचता था।

पुलिस के अनुसार, रामनाथ गांजा की पुड़िया 100 से 150 रुपये में बेचता था। बताया जा रहा है कि वह इलाके में आने-जाने वाले लोगों को गांजा बेचता था। पुलिस की गश्ती गाड़ी देखते ही वह छिप जाता था, ताकि पकड़ा न जाए।

आरोपी के दोनों बेटे दिल्ली में प्राइवेट नौकरी करते हैंः इस मामले में कार्रवाई DIU की टीम और श्रीकृष्णापुरी थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से की है। पूछताछ के दौरान रामनाथ ने पुलिस को बताया कि वह अपने पॉकेट खर्च के लिए गांजा बेचने का काम करता था। उसके दोनों बेटे दिल्ली में प्राइवेट नौकरी करते हैं। पुलिस के मुताबिक, रामनाथ सिंह इससे पहले कभी जेल नहीं गया है। यह पहली बार है जब उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि वह गांजा कहां से लाता था और इस धंधे से जुड़े अन्य लोगों का नेटवर्क कितना बड़ा है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

फतुहा एसकेएमवी कॉलेज में छात्रों का प्रदर्शन

एजेंसी, पटना

पटना के फतुहा स्थित एसकेएमवी कॉलेज इन दिनों बदहाली के गंभीर दौर से गुजर रहा है। मंगलवार को कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने प्रबंधन की लचर व्यवस्था, अत्यधिक शुल्क वसूली और शिक्षकों की मनमानी के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। आक्रोशित छात्रों ने कॉलेज परिसर में जमकर नारेबाजी करते हुए व्यवस्था में तुरंत सुधार करने की मांग की। प्रदर्शन में शामिल छात्र लक्ष्मण कुमार, सोनू कुमार और जय राजकुमार ने बताया कि कॉलेज भवन पूरी तरह से जर्जर और खंडहर में तब्दील हो चुका है। कक्षाओं में बैठने के लिए कोई उचित व्यवस्था नहीं है। ब्लैकबोर्ड क्षतिग्रस्त हो चुके हैं और अधिकांश पंखे खराब पड़े हैं, जिससे भीषण गर्मी में छात्रों का पढ़ाई करना मुश्किल हो गया है। उन्होंने आगे बताया कि कक्षाओं की छत पर लगे करकट टूटे हुए हैं। इसके कारण गर्मी में सीधी धूप कमरों के अंदर आती है और बारिश के दिनों में पानी टपकने लगता है। वहीं, बरसात के मौसम में कॉलेज परिसर के मैदान में जलभराव हो जाता है, जिससे विद्यार्थियों को आने-जाने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। छात्रों का आरोप है कि कॉलेज में पठन-पाठन का कार्य पूरी तरह से ठप है। छात्रा नेहा कुमारी और सुरभि कुमारी ने बताया कि फतुहा में यह एकमात्र कॉलेज होने के कारण प्रबंधन इसका अनुचित लाभ उठा रहा है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा-पप्पू यादव की सुरक्षा बढ़ाए केंद सरकार, हमले की बात मनगढ़ंत है, ये नहीं कह सकते

एजेंसी, पटना

- सांसद पर उनके आवास पर हुआ था अटैक

बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव की सुरक्षा बढ़ाए जाने का निर्देश दिल्ली हाईकोर्ट ने केन्द्र सरकार को दिया है। मंगलवार को जस्टिस मनोज जैन ने पप्पू यादव की याचिका पर सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार को निर्देश दिए। आज सुनवाई के दौरान पप्पू यादव के वकील शादान फरासत ने कहा कि सांसद ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले में संसद के बाहर एक नाटक किया था। तब से उन्हें जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। सुरक्षा बढ़ाने को लेकर केन्द्र से गुजारिश की गई है। इस पर केंद्र सरकार की ओर से पेश वकील आशीष दीक्षित ने कहा, 'सुरक्षा बढ़ाने को लेकर दिए गए उनके प्रतिवेदन पर सरकार विचार कर रही है।' इस दलील पर कोर्ट ने कहा- ये महत्वपूर्ण है। पप्पू यादव एक सांसद हैं। केंद्र सरकार उनकी सुरक्षा बढ़ाए। आप ये नहीं कह सकते हैं कि हमला मनगढ़ंत था।

बिहार में पप्पू यादव के मिली है वाई प्लस की सुरक्षाः पप्पू यादव ने याचिका दायर कर कहा है कि उनकी सुरक्षा का आकलन कर पूरे देश में उनकी सुरक्षा बढ़ाने का निर्देश देना चाहिए। फिलहाल पप्पू यादव को बिहार में वाई प्लस कैटेगरी की सुरक्षा मिली हुई है। यादव ने याचिका में कहा है कि धमकियां मिलने के बाद उन्होंने पूरे देश में सुरक्षा बढ़ाने के लिए लिखित प्रतिवेदन भेजा, लेकिन गृह मंत्रालय ने उनकी सुरक्षा पर कोई फैसला नहीं किया। ऐसा करना संविधान के अनुच्छेद 21 का खुला उल्लंघन है।

पप्पू यादव पर दिल्ली में हुआ था हमलाः पप्पू यादव पर 2 अगस्त को उनके आवास पर हमला किया गया था। उस वक्त पप्पू यादव प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे, इसी बीच एक आदमी ने उनके ऊपर चप्पल फेंक दी।

इसके बाद पप्पू के समर्थकों ने उसके साथ मारपीट की। वहां मौजूद पुलिसकर्मी आरोपी को पकड़कर ले जाने लगे, लेकिन उनके सामने ही पप्पू यादव के समर्थकों ने आरोपी को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। हमला करने वाले युवक का नाम सुमित प्रधान उर्फ सुमित गिरि गोस्वामी है। वह बुलंदशहर में भाजपा का नगर मंत्री है।

तेजस्वी यादव का आरोप- सरकार कंगाल हो चुकी दिल्ली हुए रवाना, सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मिलेंगे

एजेंसी, पटना

- 'बिहार के मंत्री-विधायक, टीचर्स को नहीं मिल रही सैलरी'

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव आज पटना से दिल्ली रवाना हो गए। दिल्ली में कांग्रेस नेता और सपा प्रमुख से मुलाकात करेंगे। इस दौरान छात्रों से जुड़े मुद्दों, महंगाई समेत कई अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर दोनों नेताओं के साथ चर्चा होगी। पटना एयरपोर्ट पर उन्होंने बिहार सरकार पर जमकर हमला बोला। तेजस्वी यादव ने दावा किया कि पिछले 5-6 महीने से उन्हें वेतन नहीं मिल रहा था। उन्होंने कहा जब उन्होंने मीडिया के सामने इस मुद्दे को उठाया, तब उनका वेतन मिलना शुरू हुआ।

'सरकार चाहे तो मेरा वेतन बंद कर दे': तेजस्वी यादव ने कहा, मंत्रियों और विधायकों को भी वेतन नहीं मिल रहा है। उन्होंने सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि अगर सरकार चाहती है तो उनका वेतन भी बंद कर दे, उन्हें कोई दिक्कत नहीं है। आज सरकार को वेतन के मुद्दे पर चर्चा करनी पड़ रही है, यही सरकार के खजाने की स्थिति को बताता है।

'सरकार कंगाल हो चुकी, खजाना खाली': तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि बिहार सरकार कंगाल हो चुकी है और सरकारी खजाना खाली हो गया है। कर्मचारियों को वेतन नहीं मिल रहा है। मदरसा शिक्षकों को भी वेतन नहीं मिलने का उन्होंने दावा किया। ठेकेदारों के भुगतान के लिए भी सरकार के पास पैसे नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि किसी भी विभाग के सरकारी कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिल रहा है। सरकार के पास कर्मचारियों को वेतन और पेंशन देने तक के पैसे नहीं हैं। तेजस्वी ने कहा कि इन लोगों ने बिहार का खजाना खाली कर दिया है।

भ्रष्टाचार को लेकर भी सरकार पर निशानाः तेजस्वी यादव ने बिहार में भ्रष्टाचार को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बिहार में भ्रष्टाचार पूरी तरह से पनप रहा है। कहीं भी जाइए, बिना पैसे के काम नहीं होता है और भ्रष्टाचार के मामलों में कोई कार्रवाई नहीं होती। उन्होंने कहा कि ऐसा लग रहा है कि बिहार में सरकार है भी या नहीं। अशोक चौधरी के इस बयान पर कि वित्तीय संकट 15 दिन से एक महीने में ठीक हो जाएगा, तेजस्वी यादव ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि यह वित्तीय संकट अगले चार साल में भी ठीक नहीं होगा।

बिल्डर भूषण सिंह की बढ़ी मुश्किलें

एजेंसी, पटना

- अरेस्टिंग के बाद ठगी के शिकार पीड़ितों के 14 आवेदन आए

पटना के ग्रीन हाउसिंग सोसाइटी के नाम से चल रही कंपनी के ऑनर भूषण सिंह की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। अरेस्टिंग के बाद एक एक कर के पीड़ित सामने आने लगे हैं। धोखाधड़ी से संबंधित 14 शिकायत आवेदन कृष्णापुरी थाने में केस दर्ज कराने के लिए आए हैं। पीड़ितों के मुताबिक किसी से भूषण सिंह ने जमीन के नाम पर 4 लाख, 2 लाख तो किसी से 26 लाख रूपये लिए। लेकिन जमीन वगैरह नहीं दिया। बस टाल मटोल करता रहा। फिलहाल पुलिस आवेदन के आधार पर ठगी के रुपए का वैल्यूएशन कर रही है।

कोर्ट में आज हुई सुनवाईः वहीं, दूसरी ओर आज भूषण सिंह की ओर से फाइल जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। जिसमें वह एक पार्टी से रुपए सेटल करने के लिए भी अपनी रजामंदी दी है। हालांकि अभी परेशानी कम होने वाली नहीं है। पुलिस की मानें तो सभी आवेदन की जांच होगी और केस रजिस्टर्ड किया जाएगा। ऐसे में भूषण सिंह के खिलाफ 19 मामले हो जाएंगे। पिछली बार उदयंत कुमार नाम के शख्स से 26.90 लाख रुपए की धोखाधड़ी के मामले में पुलिस की ओर से कोर्ट वारंट के आधार पर अरेस्टिंग की गई थी। जमीन के बदले रुपए लेकर भूषण सिंह, उदयंत कुमार को टहला रहा था। थाने के द्वारा भी नोटिस देने पर कोई रिस्पॉन्स नहीं ले रहा था। इसके बाद पुलिस ने कोर्ट से वारंट लेकर गिरफ्तारी की थी।

5 जिलों में आज बारिश की संभावना अब तक 36% कम हुई बारिश

एजेंसी, पटना

बिहार में मानसून सक्रिय है, लेकिन बारिश नहीं होने की वजह से उमस बरकरार है। मौसम विभाग ने आज 5 जिलों में हल्की बारिश की संभावना जताई है, जबकि बाकी 33 जिलों में मौसम सामान्य रहने की उम्मीद है। वहीं, बांका में आकाशीय बिजली गिरने से 3 महिलाओं की मौत हो गई, जबकि 2 बच्चे झुलस गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, महिलाएं खेत में रोपनी करने गई थीं, तभी यह हादसा हुआ। घटना सुईया थाना क्षेत्र की है। बीते 24 घंटे के दौरान मधेपुरा और समस्तीपुर में बारिश हुई। पटना में हल्के बादल छाए रहे, लेकिन धूप निकलने से उमस बनी रही।

मानसून के दौरान वातावरण में नमी की मात्रा काफी बढ़ जाती है। समुद्र और बंगाल की खाड़ी से आने वाली नम हवाएं बिहार में पहुंचती हैं। बारिश के बाद भी वातावरण में नमी बनी रहती है। जब तापमान बढ़ता है और हवा में मौजूद नमी आसानी से बाहर नहीं निकल पाती, तो पसीना जल्दी नहीं सूखता। इसी वजह से शरीर को वास्तविक तापमान से अधिक गर्मी महसूस होती है और मौसम उमस भरा लगता है। खासकर तब जब बादल तो मौजूद हो, लेकिन पर्याप्त बारिश नहीं हो रही हो।

ऐसे मौसम में धूप और नमी दोनों के कारण लोगों को चिपचिपी गर्मी का अहसास होता है। राजधानी में आज मौसम मुख्य रूप से उमस भरा रहने का अनुमान है। आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं। हवा में नमी अधिक रहने के कारण लोगों को तापमान सामान्य होने के बावजूद गर्मी अधिक महसूस हो सकती है। पटना में तेज या लगातार बारिश की संभावना फिलहाल कम है।

जापानी तकनीक से साफ होगा पटना के नालों का पानी, 10 घाटों पर लगेंगी बायोरीमेडिएशन मशीनें

एजेंसी, पटना

- एक से 10 लाख लीटर पानी होगा साफ

गंगा नदी को प्रदूषण से बचाने और शहर के छोटे नालों के गंदे पानी को साफ करने के लिए बुडको नई तकनीक का इस्तेमाल करने जा रहा है। इसके तहत नालों के पानी को सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) तक ले जाने के बजाय जापानी बायोरीमेडिएशन तकनीक से मौके पर ही साफ किया जाएगा। पटना के 10 प्रमुख घाटों पर यह सिस्टम लगाने की तैयारी है। एक मशीन से 10 लाख लीटर पानी साफ होगा। इस प्रक्रिया में बॉयोलाजिकल तरीके से पानी में मौजूद गंदगी और प्रदूषक तत्वों को कम किया जाएगा, ताकि नाले का पानी गंगा में जाने से पहले अधिक साफ हो सके।

10 प्रमुख घाटों पर लगेगी मशीनः इस तकनीक का हाल ही में प्रोजेक्ट ब्लू इकोसिस्टम के तहत एनआईटी घाट पर ट्रायल किया गया, जो सफल रहा। ट्रायल के बाद अब बारिश का मौसम खत्म होने पर पटना के 10 प्रमुख घाटों पर यह सिस्टम लगाने की तैयारी है। इनमें गोलकपुर घाट, आलमगंज घाट और भद्र घाट समेत अन्य घाट शामिल हैं। इस मॉडल के तहत करीब एक एमएलडी यानी 10 लाख लीटर पानी को ट्रीट करने की क्षमता होगी। शहर के छोटे नालों से निकलने वाला पानी सीधे गंगा में पहुंचने से पहले इसी सिस्टम के जरिए साफ किया जाएगा। इससे छोटे नालों के प्रदूषण को नियंत्रित करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

एसटीपी से सस्ता और आसान विकल्पः छोटे नालों को एसटीपी तक ले जाना कई जगह मुश्किल और महंगा होता है। ऐसे में नाले के मुहाने पर ही पानी को ट्रीट करने वाला यह मॉडल उपयोगी साबित हो सकता है। एक सिस्टम लगाने पर करीब 2 से 2.5 लाख रुपए खर्च आने का अनुमान है। इसके मुकाबले पारंपरिक नाला ट्रीटमेंट मशीनों की लागत काफी अधिक बताई जा रही है।

इस पहल से कम लागत में छोटे नालों के पानी को साफ करने और गंगा में प्रदूषण का स्तर घटाने में मदद मिल सकती है। बारिश के बाद मशीनों की स्थापना शुरू होने की तैयारी है।

नीलाम पत्र के बड़े बकायादारों पर प्रशासन का शिकंजा

» गिरफ्तारी वारंट जारी, 48 नीलाम पत्र देनदार पहले ही हो चुके हैं गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी

जिला प्रशासन ने नीलाम पत्र वाद के तहत बड़े बकायादारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि नीलाम पत्र से संबंधित मामलों में बकाया राशि की वसूली को लेकर प्रशासन गंभीर है। इसी क्रम में कई बड़े बकायादारों की गिरफ्तारी के लिए सक्षम स्तर से वारंट जारी किया गया है। जिन बकायादारों के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है, उनमें सलोनी ट्रेडर्स एवं राइस मिल, पूरनछपरा, संजीव कुमार पांडेय (हिंदू चकिया) पर 13.56 लाख रुपये, मेसर्स दुर्गा राइस मिल, हरपुर (आदापुर) के विजय शंकर प्रसाद पर 11.67 लाख रुपये, लोकेश शाह (धड़हरवा) पर 10.11 लाख रुपये, प्रो. श्री वैष्णी एग्रोफीड्स के ओमप्रकाश प्रसाद (अमवा) पर 13.53 लाख रुपये, गोलू ड्रेसेज एवं सिंगार स्टोर के मुकेश कुमार (कुंडवा चैनपुर) पर 10.08 लाख रुपये तथा सैयद गल्ला भंडार के परवेज आलम (बेला चमही) पर 14.98 लाख रुपये की देनदारी शामिल है। इसके अलावा सिकंदर राय एवं शैल राय (हरिहारा) पर 11.09 लाख रुपये, मेसर्स मुस्कान मोबाइल के सोनू कुमार पर 11.28 लाख रुपये, मेसर्स एसीसी ब्रिक्स एंड कंपनी, बोकानेकला के रजनीश कुमार सिंह पर 15.94 लाख रुपये, कांति देवी (कौड़िहार बड़ा टोला) पर 11.06 लाख रुपये, सरिता देवी (कौड़िहार चौक) पर 17.58 लाख रुपये, सोनेश्वर शाह (रक्सौल) पर 11 लाख रुपये, प्रिंस कुमार गुप्ता (नागा रोड) पर 11.75 लाख रुपये, योगेंद्र शर्मा (पनटोका) पर 11.07 लाख रुपये तथा श्याम कुमार (आश्रम रोड, रक्सौल) पर 10.66 लाख रुपये की देनदारी है। इसी प्रकार मेसर्स एएस रोडवेज के ईश्वरचंद्र प्रसाद (माटिअरिया) पर 12.31 लाख रुपये, सुभाष प्रसाद (रानीछपरा) पर 15.50 लाख रुपये, विकास कुमार (रामपुरवा, मोतिहारी नगर) पर 27.95 लाख रुपये, सुनील कुमार गुप्ता की आटा चक्की दुकान (जमला रोड, बनियापट्टी) पर 10.20 लाख रुपये, मेसर्स मोबाइल म्यूजिक के दिनेश प्रसाद (नकछेद टोला) पर 11.48 लाख रुपये तथा मेसर्स जगदम्बा कंस्ट्रक्शन के अशोक कुमार सिंह (बलुआ टाल) पर 38.18 लाख रुपये की देनदारी है। मेसर्स सन्नी स्टील फर्नीचर, बलुआ टाल के सन्नी कुमार पर 12.78 लाख रुपये, मेसर्स ओम ट्रेडर्स के दीपक कुमार (छतौनी) पर 11.28 लाख रुपये, रूपेश कुमार (कवलपुर चौक) के शंकर कलेक्शन पर 10.08 लाख रुपये, मेसर्स चम्पारण ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस के रंजन कुमार सिंह (गुलबारा, मधुबन) पर 12.86 लाख रुपये, नरेश राय (मिठनपुरा) पर 13.05 लाख रुपये, जगरनाथ राय (सरैया, जगिराहां) पर 10.04 लाख रुपये, हरेंद्र राय (जगिराहां) पर 10.20 लाख रुपये तथा हीरो फ्लाई ऐस ब्रिक्स इंडस्ट्रीज की अफसनी खातून (बड़कुरवा) पर 15.74 लाख रुपये की देनदारी है। प्रशासन के अनुसार, सभी संबंधित बकायादारों के विरुद्ध जारी गिरफ्तारी वारंट संबंधित थानों के माध्यम से तामील करा दिया गया है। पुलिस प्रशासन भी इन मामलों में गिरफ्तारी को लेकर गंभीर है। प्रशासन ने बताया कि नीलाम पत्र के अन्य मामलों में अब तक 48 लोगों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। अधिकारियों के अनुसार, लंबित नीलाम पत्र मामलों में बकाया राशि की वसूली के लिए आगे भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

बीएनएम इम्पैक्ट : अनुमंडल प्रशासन बैकफुट पर, 15 अगस्त तक रोकी गई राशन घोटाले की प्राथमिकी अब दर्ज

लिखित आदेश के बावजूद एफआईआर पर रोक को लेकर एसडीओ-थानाध्यक्ष के विरोधाभासी बयानों के बीच बॉर्डर न्यूज मिरर के अंग्रेजी संस्करण में खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन ने दर्ज किया मामला

बीएनएम@ सागर सूरज

मोतिहारी। पकड़ीदयाल अनुमंडल में कथित राशन घोटाले से जुड़े जिस मामले में प्राथमिकी दर्ज करने का लिखित आदेश जारी होने के बावजूद कार्रवाई 15 अगस्त तक रोक दिए जाने का मामला सामने आया था, उसमें अब बड़ा बदलाव आया है।

बॉर्डर न्यूज मिरर के अंग्रेजी संस्करण में मामले से संबंधित खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

प्रभारी पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी अभिषेक कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

मामला जनवितरण प्रणाली के विक्रेता चन्नू साह पर सरकारी राशन के कथित गबन और लाभुकों के फर्जी हस्ताक्षर इस्तेमाल करने के आरोप से जुड़ा है। इससे पहले पकड़ीदयाल अनुमंडल पदाधिकारी मंगला कुमारी ने 6 अगस्त 2026 को पत्र संख्या 2049 जारी कर प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को प्राथमिकी दर्ज कराने का निर्देश दिया था। इसके अनुपालन में 7 अगस्त को मधुबन थाने में प्राथमिकी के लिए आवेदन दिया गया था।

लेकिन इसके बाद प्राथमिकी दर्ज होने के बजाय मामला अचानक रोक दिए जाने की बात सामने आई। सोमवार को मधुबन थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार पांडेय ने बताया था कि अनुमंडल पदाधिकारी के आदेश के बाद प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई 15 अगस्त तक रोक दी गई है। थानाध्यक्ष ने इसके लिए पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी के आदेश का हवाला दिए जाने की बात भी कही थी।

यही बयान पूरे मामले में विवाद का कारण बना था।

दूसरी ओर, अनुमंडल पदाधिकारी मंगला कुमारी ने थानाध्यक्ष के इस दावे को खारिज करते हुए कहा था कि उन्होंने प्राथमिकी रोकने अथवा उसे 15 अगस्त तक टालने का कोई निर्देश नहीं दिया। एसडीओ ने थानाध्यक्ष को प्राथमिकी दर्ज करने से मना करने के आरोपों को भी निराधार बताया।

अब इसी विवाद के बीच प्राथमिकी दर्ज हो जाने से मामले ने नया मोड़ ले लिया है।

फर्जी हस्ताक्षर की जांच का भी दावा– आवेदक का दावा है कि जनवितरण प्रणाली के लाभुकों के हस्ताक्षरों की अपराध अनुसंधान विभाग से जांच कराई गई थी और जांच में हस्ताक्षरों को कथित तौर पर फर्जी पाया गया। मामले में अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी की ओर से भी कार्रवाई का निर्देश दिए जाने की बात सामने आई थी।

आवेदक का यह भी दावा है कि अपराध अनुसंधान विभाग की ओर से आगे की कार्रवाई के लिए जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से पत्राचार किया गया था।

ऐसे में 6 अगस्त को एसडीओ का लिखित आदेश जारी होने के बाद भी प्राथमिकी दर्ज नहीं होने और फिर मीडिया में मामला सामने आने के बाद प्राथमिकी दर्ज किए जाने की घटनाक्रम ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

आखिर 15 अगस्त तक क्यों रुकी थी कार्रवाई?– अब प्राथमिकी दर्ज हो गई है, लेकिन इससे मूल सवाल खत्म नहीं हुए हैं। सवाल यह है कि 6 अगस्त के लिखित आदेश और 7 अगस्त को थाने में दिए गए आवेदन के बाद प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई आखिर 15 अगस्त तक क्यों रोक दी गई थी?

यदि थानाध्यक्ष का सोमवार को दिया गया बयान सही था तो प्राथमिकी रोकने का निर्देश किस स्तर से आया था? यदि एसडीओ ने ऐसा कोई निर्देश नहीं दिया था, तो थानाध्यक्ष ने उनके नाम का हवाला क्यों दिया? और जिलाधिकारी के निर्देश का हवाला दिए जाने की बात कितनी सही थी?

इन सवालों का स्पष्ट जवाब अभी सामने आना बाकी है।

इस संबंध में जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव का पक्ष जानने के लिए दूरभाष पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका।

खबर के बाद पत्रकार को धमकी देने का भी आरोप– इसी बीच अधिकारियों के विरोधाभासी बयानों को लेकर खबर प्रकाशित होने के बाद आवेदक पत्रकार ने अनुमंडल पदाधिकारी पर धमकी देने तथा दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी देने का आरोप लगाया था। शिकायतकर्ता के अनुसार, मामले की शिकायत जिलाधिकारी, सहयोग पोर्टल और अन्य वरीय अधिकारियों से भी की गई है।

पत्रकार की ओर से भ्रष्टाचार के विरुद्ध उठाई गई आवाज को दबाने का प्रयास किए जाने का आरोप भी लगाया गया है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

इधर, एसडीओ ने पत्रकार को धमकी देने समेत लगाए गए आरोपों को आधारहीन बताया है।

अब जांच की बारी– प्राथमिकी दर्ज होने के बाद अब जांच की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। जांच में यह स्पष्ट होना बाकी है कि सरकारी राशन के कथित गबन, लाभुकों के फर्जी हस्ताक्षर और अन्य आरोपों में कितनी सच्चाई है।

साथ ही, प्राथमिकी दर्ज करने के लिखित आदेश के बावजूद कार्रवाई में हुई कथित देरी और 15 अगस्त तक प्राथमिकी रोकने के लिए बताए गए कथित निर्देश की भी जांच जरूरी हो गई है।

सनद रहे कि मामला दर्ज होना आरोपों की पुष्टि नहीं है। अब पुलिस जांच में ही यह स्पष्ट होगा कि आरोपों में कितनी सच्चाई है और जिम्मेदारी किसकी तय होती है। वैसे क्या थानाध्यक्ष ने सोमवार को प्राथमिकी दर्ज की या पहले के डेट मे की यह भी जाँच का विषय बन सकता है।

पंचायत समिति की बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा और बिजली व्यवस्था पर जोर

बीएनएम@ रामगढ़वा

प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में मंगलवार को पंचायत समिति की बैठक प्रखंड प्रमुख रीता देवी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों के विकास कार्यों में तेजी लाने तथा आम लोगों की बुनियादी समस्याओं का समयबद्ध समाधान करने पर जोर दिया गया। बैठक के दौरान स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली आपूर्ति, नल-जल योजना सहित विभिन्न विकासात्मक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की कार्यप्रणाली, सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं शैक्षणिक माहौल तथा ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति को लेकर सदस्यों ने संबंधित अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराया। विभिन्न पंचायतों से पहुंचे जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्र की सड़क, नल-जल योजना सहित अन्य लंबित विकास कार्यों से जुड़ी समस्याओं को सदन के समक्ष रखा। जनप्रतिनिधियों ने समस्याओं के त्वरित निष्पादन की मांग की। अधिकारियों ने उठाए गए मामलों पर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। बैठक में बीडीओ राकेश कुमार, पंचायती राज पदाधिकारी इंदरजीत दास, सीओ अमित कुमार, उपप्रमुख अरविंद पांडेय, पीएचसी प्रभारी डॉ. नितेश ध्वज सिंह, मनरेगा पीओ कुमार प्रशांत, कनीय अभियंता मनोज कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। वहीं, मुखिया शिवचंद्र यादव, नसीबुल हक, धीरज कुमार गुप्ता, समिति सदस्य लालबाबू यादव, टेंगर ठाकुर, आजाद आलम, प्रियंका देवी सहित प्रखंड क्षेत्र के सभी मुखिया एवं पंचायत समिति सदस्यों ने बैठक में भाग लिया।

स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रगान व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की स्क्रीनिंग संपन्न

बीएनएम@ मोतिहारी

जिला प्रशासन के तत्वावधान में स्वतंत्रता दिवस समारोह-2026 के अवसर पर आयोजित होने वाले राष्ट्रगान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए प्रतिभागी टीमों का चयन मंगलवार को स्क्रीनिंग के माध्यम से किया गया। शहर स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षागृह में विभिन्न सरकारी एवं गैरसरकारी विद्यालयों तथा संस्थाओं के प्रतिभागियों ने राष्ट्रगान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। स्क्रीनिंग के दौरान छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति एवं पारंपरिक लोककला पर आधारित आकर्षक और मनोहारी प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल ने प्रस्तुतियों के आधार पर श्रेष्ठ प्रतिभागी टीमों का चयन किया। निर्णायक मंडल में मुंशी सिंह कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार, संजय पांडेय, शैलेंद्र कुमार सिन्हा एवं अभय अनंत शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन आदित्य मानस ने किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन गिरि सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे। राष्ट्रगान के लिए चयनित टीमें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गांधी मैदान, समाहरणालय परिसर, पुलिस अधीक्षक कार्यालय, पुलिस केंद्र, अनुमंडल कार्यालय सदर, जिला परिषद, गांधी संग्रहालय, नगर निगम कार्यालय सहित विभिन्न स्थानों पर अपनी प्रस्तुति देंगी। वहीं, सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए चयनित टीमें स्वतंत्रता दिवस की संध्याकालीन बेला में महात्मा गांधी प्रेक्षागृह में अपनी कला के विविध रंग बिखेरेंगी।

वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर एसएसबी ने चलाया जागरूकता अभियान

बीएनएम@ मोतिहारी

वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ और हर घर तिरंगा अभियान के तहत 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), मोतिहारी की ओर से सीमावर्ती क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार के निर्देशन में वाहिनी के कार्यक्षेत्र के विद्यालयों, सरकारी संस्थानों और सीमावर्ती गांवों में कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को राष्ट्रध्वज के सम्मान, राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं, ग्रामीणों और आम लोगों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया। इससे पूरा वातावरण देशभक्ति से सराबोर हो गया। एसएसबी के अधिकारियों और जवानों ने लोगों को हर घर तिरंगा अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। साथ ही तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर उसे हर घर तिरंगा पोर्टल पर अपलोड करने की अपील की गई।अधिकारियों ने लोगों से अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराकर राष्ट्र के प्रति सम्मान और गौरव की भावना व्यक्त करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में स्थानीय ग्रामीणों, विद्यार्थियों और जनप्रतिनिधियों ने सक्रिय भागीदारी की।एसएसबी अधिकारियों ने बताया कि अभियान का उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था के साथ आम लोगों के बीच राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भाव की भावना को मजबूत करना है।

जमीन विवाद में मोतिहारी न्यायालय सख्त, हरसिद्धि अंचलाधिकारी समेत तीन अधिकारी तलब

फर्जी पर्चे से जमाबंदी और जमीन कब्जे के आरोप पर न्यायालय का बड़ा एक्शन, हरसिद्धि अंचलाधिकारी समेत डीएम और एसडीओ को किया तलब

बीएनएम@ सागर सूरज

मोतिहारी। हरसिद्धि अंचल में रैयती जमीन की कथित फर्जी जमाबंदी और कब्जे के प्रयास से जुड़े मामले में मोतिहारी न्यायालय ने सख्त रुख अपनाया है। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी पुनीत कुमार तिवारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए हरसिद्धि अंचलाधिकारी अरविंद कुमार चौधरी, पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव और अरेराज के अनुमंडल पदाधिकारी को तलब किया है।

मामला आवेदक बृजकिशोर चौबे की रैयती जमीन से जुड़ा है। उनके अधिवक्ता दिवाकर ने न्यायालय के समक्ष आरोप रखा कि एक कथित फर्जी पर्चे के आधार पर जमीन की जमाबंदी कायम की गई। खास बात यह है कि आवेदक पक्ष के अनुसार, पूर्व में पदस्थापित अंचलाधिकारी इसी दावे को फर्जी बता चुके थे। जबकि उसी आधार पर जमाबंदी कायम किए जाने का आरोप है।

यहीं से मामला गंभीर हो जाता है। सवाल यह है कि जिस दस्तावेज को पहले फर्जी बताया गया, वह बाद में

किस आधार पर वैध मान लिया गया और उसके आधार पर जमाबंदी कैसे कायम हुई? इसी बिंदु पर राजस्व अभिलेखों और पूरी प्रक्रिया की जांच जरूरी हो गई है।

आवेदक का आरोप है कि कथित जमाबंदी के आधार पर उनकी रैयती जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया गया। जमीन पर झोपड़ी रखवाकर कब्जा जमाने की कोशिश का भी आरोप लगाया गया है। विरोध करने पर दुर्व्यवहार, गाली-गलौज और मारपीट किए जाने की शिकायत भी न्यायालय के समक्ष रखी गई है।

मामले में शिकायतकर्ता की ओर से पूर्व में सामने आई हिंसक घटना का भी उल्लेख किया गया है। आरोप है कि जमीन पर कब्जे के प्रयास का विरोध करने पर शिकायतकर्ता और उनके परिजनों के साथ मारपीट की गई। पेट्रोल और मिर्च पाउडर से हमला करने जैसे गंभीर आरोप भी लगाए गए हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

अधिवक्ता श्री दिवाकर के अनुसार, न्यायालय ने आरोपों को गंभीरता से लेते हुए मामले की विभिन्न स्तरों से जांच की आवश्यकता महसूस की है। इसी क्रम में संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को तलब किया गया है।

अब इस मामले में सबसे बड़ा सवाल केवल जमीन के मालिकाना हक का नहीं है, बल्कि राजस्व अभिलेखों में कथित बदलाव और जमाबंदी कायम करने की प्रक्रिया का भी है। यदि जांच में यह साबित होता है कि कथित फर्जी दस्तावेज के आधार पर जमाबंदी कायम हुई, तो उस प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों और कर्मियों की भूमिका भी जांच के घेरे में आ सकती है।

उल्लेखनीय है कि जमीन से जुड़े विवादों में राजस्व अभिलेख ही किसी पक्ष के दावे का महत्वपूर्ण आधार बनते हैं। ऐसे में अभिलेखों की वैधता पर सवाल उठने के बाद उसी आधार पर जमीन पर कब्जे का प्रयास होने का आरोप पूरे प्रकरण को गंभीर बना देता है।

अब सबकी नजर न्यायालय में संबंधित अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले तथ्यों और राजस्व अभिलेखों की जांच पर है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि कथित फर्जी पर्चे और जमाबंदी की वास्तविक स्थिति क्या है तथा इसमें किसी स्तर पर अनियमितता हुई या नहीं।

केविवि के मीडिया अध्ययन विभाग में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का प्रबोधन कार्यक्रम

बीएनएम@ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (केविवि) के मीडिया अध्ययन विभाग में 2026 सत्र के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए प्रबोधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा ने की। इसमें बीए-एमए पत्रकारिता एवं जनसंचार के एकीकृत पांच वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम, पत्रकारिता के मूल्यों और मीडिया के बदलते स्वरूप की जानकारी दी गई।

स्वागत उद्बोधन में विभाग के आचार्य डॉ. साकेत रमण ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विभाग एक परिवार की तरह है और विद्यार्थियों का इसमें शामिल होना उनके लिए नए सफर की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता जीवन मूल्यों को सहेजने और सामाजिक सरोकारों के साथ आगे बढ़ने की यात्रा है। विभाग विद्यार्थियों को इस यात्रा में हरसंभव सहयोग देगा।

आचार्य डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र ने पत्रकारिता के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए विभाग में उपलब्ध लैब और स्टूडियो की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता की कक्षा में शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच परस्पर संवाद बेहद आवश्यक है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता बिहार लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य एवं विभाग के वरिष्ठ आचार्य प्रो. अरुण कुमार भगत ने स्वतंत्रता संग्राम के संदर्भ में पत्रकारिता के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता तथ्यों के माध्यम से सत्य के अन्वेषण की यात्रा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने में पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने विद्यार्थियों से पत्रकारिता के प्रति निष्ठा और समर्पण बनाए रखने का आह्वान किया।

अध्यक्षीय संबोधन में विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा ने विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम से संबंधित जानकारी देने के साथ मीडिया के बदलते एवं नए आयामों पर चर्चा की। उन्होंने रैगिंग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां भी साझा कीं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को मीडिया के नए क्षेत्रों में करियर बनाने के साथ पत्रकारिता के मूल्यों और तकनीकी पहलुओं की जानकारी भी होनी चाहिए। करियर में सफलता के साथ बेहतर आचरण भी आवश्यक है।

धन्यवाद ज्ञापन आचार्य डॉ. सुनील दीपक घोड़के ने किया। उन्होंने पत्रकारिता के तकनीकी पहलुओं पर विद्यार्थियों से चर्चा करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। मंच संचालन शोधार्थी रुचि भारती ने किया, जबकि तकनीकी समन्वय शोधार्थी आशीष कुमार ने किया।

20 अगस्त तक ओपन काउंसलिंग से आवेदन– मीडिया अध्ययन विभाग में बीए-एमए पत्रकारिता एवं जनसंचार के एकीकृत पांच वर्षीय पाठ्यक्रम में रिक्त सीटों के लिए ओपन काउंसलिंग के माध्यम से आवेदन की अंतिम तिथि 20 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है। उपलब्ध सीटों में ओबीसी-एनसीएल की तीन, एससी की एक, एसटी की दो तथा सेल्फ फाइनेंस की 11 सीटें शामिल हैं।

सीयूईटी-2026 में शामिल नहीं होने वाले विद्यार्थी भी निर्धारित शुल्क जमा कर प्रवेश के लिए पंजीकरण कर सकते हैं। पाठ्यक्रम शुल्क, शैक्षणिक योग्यता एवं प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

राजकीय डिग्री महाविद्यालय परसौनी में छह नवनियुक्त सहायक प्राध्यापको ने संभाला कार्यभार

बीएनएम@ सीतामढ़ी

जिला के परसौनी प्रखंड स्थित राजकीय डिग्री महाविद्यालय में मंगलवार को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ा। महाविद्यालय में छः विषयों के छह नवनियुक्त सहायक प्राध्यापको ने अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) मधुर कुमार ने बताया कि सभी सहायक प्राध्यापको ने प्रथम दिन कॉलेज पहुंचकर अपना योगदान दिया। योगदान देने वाले सहायक प्राध्यापको में हिंदी विभाग से अमित कुमार एवं राम लोचन राय, राजनीति विज्ञान से नैयर इकबाल, इतिहास विभाग से नवीन कुमार व तुलसी कुमारी तथा समाजशास्त्र विभाग से कुमारी ऐश्वर्या शामिल हैं। नए सहायक प्राध्यापकों के आने से कॉलेज में पठन-पाठन का माहौल और बेहतर होने की उम्मीद है। प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) मधुर कुमार ने सभी नवनियुक्त सहायक प्राध्यापकों को बधाई व शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इनके आने से महाविद्यालय के शैक्षणिक विकास को नई गति मिलेगी। इस गरिमामयी अवसर पर कॉलेज के अर्थपाल डॉ. शारदानंद सहनी सहित महाविद्यालय के अन्य कर्मी और प्रबुद्ध लोग उपस्थित थे। सभी ने नए सहायक प्राध्यापकों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

संक्षिप्त समाचार

मोहिउद्दीन नगर पुलिस ने तीन आरोपियों को किया गिरफ्ता

न्यायिक हिरासत में भेजा

बीएनएम@ समस्तीपुर। मोहिउद्दीन नगर थाना पुलिस ने विभिन्न मामलों में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तार आरोपियों में एक पुराने आपराधिक मामले का अभियुक्त शामिल है, जबकि दो आरोपी उत्पाद एवं मद्यनिषेध अधिनियम के तहत दर्ज मामले में नामजद थे। इस संबंध में थानाध्यक्ष सचिन कुमार ने बताया कि पुलिस ने थाना कांड संख्या 105/21 के अभियुक्त चंदन कुमार सिंह, पिता स्व. तनिक, को बिचला मलाही, थाना बाढ़, जिला पटना से गिरफ्तार किया। वह लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बाहर था। वहीं, दूसरी कार्रवाई थाना क्षेत्र के मदुदाबाद पंचायत अंतर्गत शिवना गांव में की गई। यहां से थाना कांड संख्या 227/26 के उत्पाद एवं मद्यनिषेध अधिनियम के प्राथमिकी अभियुक्त सन्नी कुमार, पिता मुन्ना चौधरी तथा मोनू कुमार, पिता स्व. मनोज चौधरी को पुलिस ने गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष ने बताया कि तीनों आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद मंगलवार को सभी आरोपियों को पुलिस अभिरक्षा में न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस की लगातार कार्रवाई से आपराधिक एवं शराब से जुड़े मामलों में संलिप्त लोगों के बीच हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। थाना पुलिस ने स्पष्ट किया है कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

बांका में वज्रपात से तीन महिलाओं की मौत

किशोर और किशोरी गंभीर, बारिश के दौरान बोंड़ा गांव में हुआ हादसा

बीएनएम@ बांका। चांदन प्रखंड अंतर्गत सुईया थाना क्षेत्र के बोंड़ा गांव में मंगलवार को बारिश के दौरान हुई वज्रपात की घटना में तीन महिलाओं की मौत हो गयी। वहीं वज्रपात की चपेट में आने से एक किशोर और एक किशोरी गंभीर रूप से घायल हो गये। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गयी। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटोरिया पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद तीन महिलाओं को मृत घोषित कर दिया। घायल किशोर और किशोरी का अस्पताल में उपचार जारी है। बताया गया कि मंगलवार को क्षेत्र में बारिश हो रही थी। इसी दौरान बोंड़ा गांव में अचानक वज्रपात हुआ, जिसकी चपेट में पांच लोग आ गये। घटना के बाद आसपास मौजूद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और सभी को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटोरिया पहुंचाया। अस्पताल पहुंचने के बाद चिकित्सकों ने तीन महिलाओं को मृत घोषित कर दिया। वज्रपात की घटना में जान गंवाने वाली महिलाओं की पहचान बोंड़ा गांव निवासी शंभू यादव की 45 वर्षीय पत्नी कुसमी देवी, टीपन यादव की 35 वर्षीय पत्नी रिंकू देवी और राजेंद्र यादव की 38 वर्षीय पत्नी रेणु देवी के रूप में हुई है। तीनों महिलाएं आपस में गोतनी थीं। एक ही गांव और एक ही परिवारिक रिश्ते से जुड़ी महिलाओं की एक साथ मौत की खबर से ग्रामीणों में शोक की लहर दौड़ गयी।

बिहार सरकार ने 628.32 करोड़ रुपए किए मंजूर

पटना मेट्रो निर्माण कार्यों में आएगी तेजी

बीएनएम@ पटना। पटना मेट्रो रेल परियोजना के निर्माण कार्यों को बढ़ाने के लिए बिहार सरकार ने 628.32 करोड़ रुपए की राशि मंजूर किए है। यह रकम वित्तीय वर्ष 2026-27 में पूंजीगत निवेश के लिए केंद्र सरकार की विशेष सहायता योजना के तहत उपलब्ध कराई गई है। सरकार की इस मंजूरी से मेट्रो के निर्माण से जुड़े जरूरी कार्यों के लिए वित्तीय संसाधन मजबूत होंगे। केंद्र और राज्य सरकार के साथ बाहरी वित्तीय एजेंसियों के सहयोग से परियोजना के लिए फंडिंग की जा रही है। नगर विकास एवं आवास विभाग के अनुसार, स्वीकृत राशि पटना मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएमआरसीएल) के माध्यम से परियोजना पर खर्च की जाएगी। इस राशि का इस्तेमाल मेट्रो के मुख्य निर्माण कार्यों में किया जाएगा। इससे चल रहे कामों को जारी रखने और परियोजना की रफ्तार बनाए रखने में मदद मिलेगी। केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय ने 23 जुलाई 2026 को बिहार के लिए विशेष सहायता योजना के तहत कुल 2925 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी दी थी। इसकी पहली किस्त के रूप में 2628.32 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। इसी राशि में से 628.32 करोड़ रुपए पटना मेट्रो परियोजना के लिए उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

पटना जिले में 2 साल से एक ही जगह तैनात पुलिस अधिकारियों का तबादला

24 घंटे के भीतर नव-पदस्थापन में योगदान का कड़ा निर्देश

बीएनएम@ पटना। जिले के नगर पश्चिमी क्षेत्रांतर्गत पुलिस महकमे में एक बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। नगर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी), पटना द्वारा जारी आधिकारिक आदेश के तहत कुल 73 पुलिस सब-इंस्पेक्टरों (पु०अ०नि०) और पदाधिकारियों का तबादला विभिन्न थानों एवं पुलिस प्रतिष्ठानों में कर दिया गया है। यह प्रशासनिक फेरबदल उन पुलिस पदाधिकारियों के लिए किया गया है जो पिछले दो वर्षों से अधिक समय से एक ही थाने या प्रतिष्ठान में पदस्थापित थे। पुलिस महकमे में कार्यप्रणाली को अधिक चुस्त-दुरुस्त और निष्पक्ष बनाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है, जिससे क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति को और बेहतर किया जा सके। इस तबादला सूची के अंतर्गत दानापुर, फुलवारीशरीफ, बेउर, पालीगंज, बिहटा, नेउरा, मनेर और नौबतपुर जैसे प्रमुख थानों के अधिकारियों के कार्यक्षेत्र बदले गए हैं। जारी किए गए आदेश में स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि स्थानांतरण प्राप्त सभी 73 पुलिस अधिकारी तत्काल प्रभाव से अपने नए पदस्थापित स्थान पर योगदान सुनिश्चित करेंगे।

बिहार में शराबबंदी पर NCAER रिपोर्ट से गरमाई सियासत

NDA में भी अलग-अलग सुर

बीएनएम@ पटना। बिहार में पूर्ण शराबबंदी के दस साल पूरे होने के बीच इस नीति को लेकर एक बार फिर राजनीतिक और आर्थिक बहस तेज हो गई है। नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (NCAER) की हालिया रिपोर्ट में बिहार में शराबबंदी की समीक्षा करते हुए इसे खत्म कर नियंत्रित बिक्री की अनुमति देने की सिफारिश की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि शराबबंदी के कारण राज्य को आबकारी राजस्व के बड़े स्रोत से हाथ धोना पड़ा है। साथ ही अवैध शराब के कारोबार और दूसरे नशीले पदार्थों के इस्तेमाल जैसी चुनौतियां भी सामने आई हैं। बिहार में अप्रैल 2016 में तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूर्ण शराबबंदी लागू की थी। महिलाओं की शिकायतों, घरेलू हिंसा और शराब के कारण परिवारों पर पड़ने वाले कथित नकारात्मक प्रभाव को इस फैसले की प्रमुख वजह बताया गया था। शराबबंदी को उस समय सामाजिक बदलाव की बड़ी पहल के तौर पर पेश किया गया था। अब करीब एक दशक बाद NCAER की रिपोर्ट ने इसके आर्थिक और सामाजिक प्रभाव को लेकर नई बहस छेड़ दी है। विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल का कहना है कि शराबबंदी सभी राजनीतिक दलों की सहमति से लागू हुई थी और पार्टी सिद्धांत रूप से इसके पक्ष में है। हालांकि RJD ने इसके क्रियान्वयन पर सवाल उठाते हुए कहा है कि प्रतिबंध के बावजूद अवैध शराब का कारोबार पूरी तरह नहीं रुक सका है। सत्तारूढ़ NDA में भी शराबबंदी को लेकर अलग-अलग राय सामने आ रही है। JDU का आधिकारिक रुख अब भी शराबबंदी के समर्थन में है, लेकिन सीतामढ़ी से JDU सांसद देवेश चंद्र ठाकुर ने नीति की समीक्षा की मांग की है। वहीं केंद्रीय मंत्री और LJP (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान ने शराबबंदी खत्म करने के बजाय दूसरे माध्यमों से राज्य का राजस्व बढ़ाने पर जोर दिया है। दूसरी ओर केंद्रीय मंत्री और HAM(S) प्रमुख जीतन राम मांझी ने गुजरात की तर्ज पर शराबबंदी को और सख्ती से लागू करने की बात कही है।

रामगढ़वा में आइसक्रीम विक्रेता का शव मिलने से सनसनी, 2 हिरासत में

बीएनएम@ रामगढ़वा

एफएसएल टीम और एएसपी ने मौके पर पहुंचकर की जांच, हत्या की आशंका

प्रखंड के रामगढ़वा बाजार स्थित कोठी रोड, वार्ड नंबर 9 में मंगलवार तड़के 18 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध अवस्था में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान आइसक्रीम बेचकर जीवनयापन करने वाले गुड्डू कुमार, पिता भज्जू साह के रूप में हुई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल की टीम के साथ मोतिहारी एएसपी प्रीतेश कुमार भी मौके पर पहुंचे और साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने मामले में एक महिला सहित दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

परिजनों के अनुसार गुड्डू कुमार सोमवार की रात करीब 8 बजे घर से चीनी खरीदने के लिए निकला था। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर रात 10 बजे के बाद परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की। आसपास के रिश्तेदारों और परिचितों के यहां पता किया गया, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला।

परेशान परिजनों ने पूरी रात जागकर उसकी तलाश की।

मंगलवार की सुबह करीब 4 बजे स्थानीय ग्रामीणों की नजर घर से कुछ ही दूरी पर कच्ची सड़क के किनारे पड़े एक शव पर पड़ी। पास जाकर देखने पर शव की पहचान लापता गुड्डू कुमार के रूप में हुई। सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। घटना की खबर फैलते ही इलाके में तनाव का माहौल बन गया।

सूचना पर रामगढ़वा थाने की पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम को बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए। इसके साथ ही मोतिहारी एएसपी प्रीतेश कुमार भी पुलिस अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली।

परिजनों ने इस घटना को साजिश बताते हुए हत्या की आशंका जताई है। उनका कहना है कि गुड्डू का किसी से कोई झगड़ा नहीं था, फिर भी उसकी इस तरह संदिग्ध मौत होना कई सवाल खड़े करता है।

इस संबंध में थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर संजीव मौआर ने बताया कि पुलिस मामले के हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच के आधार पर एक महिला सहित दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। उनसे थाने में पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई रिपोर्ट के आधार पर की जाएगी।

घटना के बाद से मृतक के घर में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे इलाके में इस घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

शहीद रामगोविंद सिंह के 84वें शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि सभा

बीएनएम@ पटना

प्रशांत किशोर ने विद्यालय के पुनर्निर्माण का लिया संकल्प

स्वतंत्रता सेनानी और अमर शहीद रामगोविंद सिंह के 84वें शहादत दिवस पर पटना स्थित शहीद रामगोविंद सिंह बालिका विद्यालय परिसर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े लोगों, बुद्धिजीवियों और स्थानीय नागरिकों ने बड़ी संख्या में शामिल होकर शहीद की प्रतिमा एवं चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके बलिदान को नमन किया। कार्यक्रम में बांकीपुर के विधायक प्रशांत किशोर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने शहीद रामगोविंद सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि देश की आजादी के लिए उनका समर्पण और सर्वोच्च बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। श्रद्धांजलि सभा के बाद प्रशांत किशोर ने शहीद रामगोविंद सिंह बालिका विद्यालय का निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय की जर्जर आधारभूत संरचना और कमरों की स्थिति का जायजा लिया। विद्यालय की मौजूदा स्थिति को देखकर उन्होंने चिंता जताई और स्कूल प्रबंधन, शिक्षकों तथा स्थानीय लोगों से भी जानकारी ली। विधायक ने कहा कि यह विद्यालय शहीद रामगोविंद सिंह की स्मृति और उनके बलिदान से जुड़ा महत्वपूर्ण संस्थान है। इसकी स्थिति में सुधार करना जरूरी है। उन्होंने विद्यालय के पुनर्निर्माण और आधुनिकीकरण का संकल्प लेते हुए कहा कि इसके लिए जल्द पहल की जाएगी।उन्होंने आश्वासन दिया कि विद्यालय में छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक माहौल और आवश्यक आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जाएगा। इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर भी जरूरी प्रयास किए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने विद्यालय के विकास की पहल का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि ऐतिहासिक विद्यालय को जल्द बेहतर स्वरूप मिलेगा।

गंगा के बढ़ते जलस्तर को लेकर SDM ने किया प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण

» **अधिकारियों को दिए अलर्ट रहने के निर्देश**

बीएनएम@ समस्तीपुर

गंगा नदी के जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि को देखते हुए पटोरी अनुमंडल पदाधिकारी विकास कुमार पांडेय ने मोहिउद्दीन नगर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने माधोपुर सरारी, रसलपुर, बिशनपुर बेड़ी, सुल्तानपुर एवं घटहटोल क्षेत्रों का भ्रमण कर जमीनी स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने पटोरी अंचल अधिकारी अभिषेक कुमार, मोहनपुर अंचल अधिकारी संतोष कुमार, मोहिउद्दीन नगर अंचल अधिकारी विवेक कुमार सिंह एवं राजस्व अधिकारी मोहिउद्दीन नगर सृष्टि सागर को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गंगा के जलस्तर में वृद्धि को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहे और बाढ़ से संबंधित आम लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने पर लोगों को पॉलीथिन शीट, पशुचारा, नाव सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की कमी नहीं होनी चाहिए। निचले इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए आवश्यकता पड़ने पर वैकल्पिक व्यवस्था पहले से तैयार रखने को कहा गया। उन्होंने सभी अंचल अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करने तथा बाढ़ की संभावित स्थिति और स्थानीय समस्याओं को लेकर उनके सुझाव प्राप्त करने का निर्देश दिया। एसडीएम ने कहा कि स्थानीय स्तर पर मिलने वाली सूचनाओं के आधार पर राहत एवं बचाव की तैयारियों को और बेहतर किया जा सकता है। निरीक्षण के दौरान कार्यपालक पदाधिकारी राजीव कुमार, विधायक प्रतिनिधि रविश कुमार सिंह, जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र चौहान, भाजपा मंडल अध्यक्ष अरुण सिंह, मनीष सिंह, कामों सिंह, नंदकिशोर सिंह, भीम सिंह, कुंदन कुमार महतो सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बिहार में वेतन संकट की समस्या जल्द दूर होगीः अशोक चौधरी

बीएनएम@ पटना

बिहार में कुछ कर्मचारियों और अन्य लोगों को समय पर वेतन नहीं मिलने की शिकायतों के बीच मंत्री अशोक चौधरी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ लोगों का भुगतान समय पर नहीं हो पाया है और इसे सरकार के सामने मौजूद समस्या बताया। हालांकि, उन्होंने भरोसा जताया कि आने वाले दिनों में स्थिति सामान्य हो जाएगी। अशोक चौधरी ने कहा कि वेतन भुगतान में निश्चित तौर पर कुछ दिक्कतें हैं, जिन्हें दूर करने के लिए सरकार प्रयास कर रही है। उन्होंने वित्त मंत्री के भरोसे का हवाला देते हुए कहा कि सब कुछ जल्द ठीक हो जाएगा। सरकार इस दिशा में लगातार काम कर रही है। झारखंड में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के सवाल पर अशोक चौधरी ने इसका विरोध किया। उन्होंने कहा कि वह लाठीचार्ज के पक्ष में नहीं हैं और उनकी पार्टी ऐसे कदम का समर्थन नहीं करती। उन्होंने बिहार में हुए प्रदर्शनों का उदाहरण देते हुए कहा कि यहां प्रशासन ने प्रदर्शन के दौरान संयमित रवैया अपनाया। उन्होंने कहा कि छात्रों की समस्याओं को बातचीत के जरिए सुलझाने का प्रयास किया जाना चाहिए। झारखंड सरकार को भी छात्रों से जुड़े मामले को गंभीरता से देखना चाहिए। इस दौरान तेजस्वी यादव की ओर से मुख्यमंत्री को लिखे गए पत्र का मुद्दा भी उठा। तेजस्वी यादव ने उर्दू और अरबी शिक्षकों के तबादले को लेकर सरकार से सवाल किया था। इस पर अशोक चौधरी ने कहा कि तेजस्वी यादव को इस मामले में चिंता करने की जरूरत नहीं है। बिहार सरकार सभी वर्गों और क्षेत्रों से जुड़े मामलों को देख रही है। उन्होंने तेजस्वी यादव के पिता लालू प्रसाद यादव के शासनकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय उर्दू की स्थिति क्या थी, यह सभी जानते हैं।

हर घर तिरंगा–2026 अभियान के अंतर्गत 65 वाहिनी ने आयोजित किए कई कार्यक्रम

बीएनएम@ बगहा

65 वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, बेतिया द्वारा हर घर तिरंगा–2026 अभियान के अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में राष्ट्रभक्ति एवं जनभागीदारी से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में आयुर्वेदिय संस्कृत विद्यालय, रतनमाला एवं राजकीय मध्य विद्यालय, रतनमाला, बगहा-1 में शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं सशस्त्र सीमा बल के कार्मिकों की सहभागिता से संयुक्त रूप से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सभी ने उत्साहपूर्वक वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वहीं, समवाय महादेवनाला के शेरवा दोन में उच्च विद्यालय शेरवादोन एवं मध्य विद्यालय शेरवादोन के साथ संयुक्त रूप से तिरंगा रैली एवं सामूहिक राष्ट्रगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तिरंगा रैली में शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं सशस्त्र सीमा बल के कार्मिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा राष्ट्र के प्रति एकता, सम्मान एवं देशभक्ति की भावना का संदेश दिया। इन कार्यक्रमों के दौरान राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के 150 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सभी प्रतिभागियों द्वारा सामूहिक रूप से 'वंदे मातरम्' का गायन भी किया गया। इन आयोजनों का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रभक्ति की भावना को सुदृढ़ करना, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में आमजन एवं युवाओं के साथ सहभागिता को बढ़ावा देना रहा।

गोविंदगंज पुलिस की कार्रवाई, दो फरार वारंटी गिरफ्तार

बीएनएम@ अरेराज/गोविंदगंज

अपराध नियंत्रण एवं फरार वारंटियों की गिरफ्तारी को लेकर गोविंदगंज पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर दो वारंटियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार दोनों आरोपितों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थानाध्यक्ष सह पुलिस निरीक्षक सच्चिदानंद पांडेय ने बताया कि न्यायालय से जारी वारंट के अनुपालन में पुलिस टीम ने छापेमारी कर दोनों वारंटियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान हरसिद्धि थाना क्षेत्र के जागापाकड़ शर्मा टोला, वार्ड संख्या-1 निवासी अशोक शर्मा के 30 वर्षीय पुत्र राकेश शर्मा तथा गोविंदगंज थाना क्षेत्र के मझरिया पासवान टोला निवासी स्वर्गीय पासवान के 64 वर्षीय पुत्र कपिल देव पासवान के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों लंबे समय से फरार चल रहे थे। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी कर दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि फरार वारंटियों एवं आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ पुलिस का अभियान आगे भी जारी रहेगा।

बिहार के प्रमुख तीर्थ स्थलों के विकास को मिलेगी रफ्तार

» **पर्यटन मंत्री ने केंद्रीय मंत्री से की मुलाकात**

बीएनएम@ पटना

बिहार के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के विकास को गति देने के लिए पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात की। बैठक में बिहार सरकार की ओर से केंद्र को भेजी गई विभिन्न पर्यटन परियोजनाओं पर जल्द निर्णय लेने और सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया गया। पर्यटन मंत्री ने केंद्रीय बजट घोषणा 2024-25 के तहत भेजे गए प्रस्तावों की जानकारी देते हुए कहा कि स्वीकृति मिलने से महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों पर विकास कार्य समयबद्ध तरीके से शुरू किए जा सकेंगे। उन्होंने गयाजी-बोधगया और नालंदा-राजगीर के लिए तैयार व्यापक गंतव्य रणनीति एवं विकास योजनाओं की भी जानकारी केंद्रीय मंत्री को दी। बिहार सरकार ने गयाजी-बोधगया के समग्र विकास के लिए 1,080 करोड़ रुपये और नालंदा-राजगीर के लिए 1,050 करोड़ रुपये की योजना तैयार की है। दोनों योजनाओं से संबंधित विस्तृत आधारभूत विश्लेषण प्रतिवेदन केंद्र सरकार को उपलब्ध कराया जा चुका है। योजनाओं का उद्देश्य धार्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों पर आधारभूत सुविधाओं का विस्तार करना और पर्यटन गतिविधियों को व्यवस्थित तरीके से बढ़ावा देना है। पर्यटन मंत्री ने सभी प्रस्तावों पर शीघ्र निर्णय लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के लागू होने से बिहार के प्रमुख धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों को बेहतर पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के साथ स्थानीय रोजगार और पर्यटन आधारित आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

भागलपुर में रास्ता रोकने को लेकर दो पक्षों में हिंसक झड़प

6 घायल, 3 की हालत गंभीर

बीएनएम@ भागलपुर

अकबरनगर थाना क्षेत्र के आलमगीर गांव में रास्ते को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दोनों पक्षों के बीच हुई मारपीट में एक पक्ष के छह लोग घायल हो गए। इनमें तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। गंभीर रूप से घायलों को बेहतर इलाज के लिए मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल आसमा खातून ने बताया कि विवाद की शुरुआत साझा गली में दरवाजा लगाने को लेकर हुई। उनका आरोप है कि पाटीदारों ने गली में जबरन दरवाजा लगा दिया था। इसी रास्ते से दोनों परिवारों के लोगों का आवागमन होता था। रास्ता बाधित होने को लेकर दोनों पक्षों में पहले कहासुनी हुई और बाद में मामला मारपीट तक पहुंच गया। आसमा खातून के मुताबिक, विवाद बढ़ने पर परिवार की ओर से डायल-112 पर सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाकर शांत कराया। पुलिस ने मामले के समाधान के लिए दोनों पक्षों को थाने पर बुलाया था। आरोप है कि मोहम्मद जियाउल बाद में थाना पहुंचे, लेकिन उस समय कोई अधिकारी मौजूद नहीं था और उन्हें कुछ देर बाद आने को कहा गया। पीड़िता का आरोप है कि थाना से लौटने के बाद विपक्षी पक्ष ने गली में तोड़फोड़ शुरू कर दी। विरोध करने पर लाठी-डंडे से लैस लोगों ने परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट की। इस दौरान आसमा खातून, उनके बेटे, भतीजी समेत छह लोग घायल हो गए। तीन घायलों की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हालांकि, खबर लिखे जाने तक किसी भी पक्ष की ओर से थाने में लिखित शिकायत नहीं दी गई थी। पुलिस का कहना है कि आवेदन मिलने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस गांव में स्थिति पर नजर बनाए हुए है, ताकि दोबारा विवाद न हो और शांति व्यवस्था कायम रहे।

धार्मिक महत्व और इसके पीछे की मान्यता

हिंदू धर्म में पूजा-पाठ से जुड़ी कई परंपराओं का विशेष महत्व माना गया है। मंदिर में भगवान के दर्शन और पूजा के बाद परिक्रमा करना भी ऐसी ही प्राचीन धार्मिक परंपरा है। श्रद्धालु मंदिर, गर्भगृह या भगवान की मूर्ति के चारों ओर एक निश्चित दिशा में घूमते हैं। मान्यता है कि परिक्रमा के माध्यम से व्यक्ति स्वयं को ईश्वर के प्रति समर्पित करता है और भगवान को अपने जीवन का केंद्र मानता है। अलग-अलग मंदिरों और देवी-देवताओं के अनुसार परिक्रमा की संख्या और तरीका भी अलग हो सकता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार परिक्रमा का सबसे प्रमुख अर्थ है कि भगवान व्यक्ति के जीवन के केंद्र में हैं। श्रद्धालु जब देवता के चारों ओर घूमता है तो प्रतीकात्मक रूप से यह स्वीकार करता है कि उसके जीवन का आधार और मार्गदर्शक ईश्वर हैं। इसी कारण मंदिर में परिक्रमा को केवल घूमने की क्रिया नहीं, बल्कि श्रद्धा और समर्पण का प्रतीक माना जाता है। सामान्य हिंदू परंपरा में देवता की परिक्रमा दक्षिणावर्त, यानी भगवान को दाईं ओर रखते हुए की जाती है। इसे शुभ माना जाता है। मंदिर की संरचना के अनुसार श्रद्धालु गर्भगृह या मंदिर के निर्धारित मार्ग पर चलते हैं। हालांकि, सभी देवी-देवताओं और सभी मंदिरों में परिक्रमा के नियम एक जैसे नहीं होते। इसलिए संबंधित मंदिर की परंपरा का पालन करना उचित माना जाता है।परिक्रमा की संख्या को लेकर अलग-अलग धार्मिक परंपराएं हैं। कुछ स्थानों पर एक, तीन, पांच या सात परिक्रमा करने की परंपरा मिलती है। मान्यता के अनुसार संख्या का संबंध संबंधित देवी-देवता और धार्मिक परंपरा से हो सकता है। इसलिए किसी मंदिर में परिक्रमा करते समय वहां की निर्धारित परंपरा और पुजारी के निर्देश का पालन करना बेहतर माना जाता है। भगवान शिव की पूजा में परिक्रमा का तरीका कुछ अलग माना जाता है। कई शिव मंदिरों में शिवलिंग से निकलने वाली जलधारा यानी सोमसूत्र को पार नहीं करने की परंपरा है। श्रद्धालु उसी के अनुसार अर्ध-परिक्रमा करते हैं। हालांकि, अलग-अलग मंदिरों में स्थानीय परंपराएं भिन्न हो सकती हैं। इसलिए शिव मंदिर में वहां की परंपरा के अनुसार ही परिक्रमा करना उचित है। धार्मिक दृष्टि से परिक्रमा को मन को एकाग्र करने वाली प्रक्रिया माना जाता है। जब व्यक्ति धीरे-धीरे भगवान का स्मरण करते हुए मंदिर के चारों ओर चलता है, तो उसका ध्यान पूजा और प्रार्थना पर केंद्रित हो सकता है। कई श्रद्धालु परिक्रमा के दौरान मंत्र या भगवान का नाम जपते हैं। इससे उन्हें मानसिक शांति और आध्यात्मिक संतोष मिलने का अनुभव होता है। परिक्रमा के धार्मिक लाभ आस्था और परंपरा से जुड़े हैं। वैज्ञानिक रूप से इसे किसी निश्चित धार्मिक परिणाम की गारंटी नहीं माना जा सकता।

भागवत की नजरों में जेन-जी आंदोलन का दृष्टिकोण

ललित गर्ग

जंतर-मंतर से उठी हाल की युवा आवाजों ने भारतीय लोकतंत्र के सामने कई नए प्रश्न खड़े किए हैं। आंदोलन को लेकर समाज में दो मत हो सकते हैं, आंदोलन की शैली, नेतृत्व और उसके राजनीतिक इस्तेमाल पर भी बहस हो सकती है, लेकिन एक बुनियादी सत्य से कोई इंकार नहीं कर सकता कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को अपनी बात कहने, असहमति व्यक्त करने और शांतिपूर्ण ढंग से विरोध करने का अधिकार है। इसी संदर्भ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का युवाओं और विशेषकर जेन-जी को लेकर दिया गया दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाता है। उन्होंने साफ कहा कि नई पीढ़ी सवाल करती है, तर्कसंगत उत्तर चाहती है, उसे केवल आदेश देकर नहीं समझाया जा सकता। उनके अनुसार आज जरूरत 'डिक्टेशन' की नहीं, 'डिस्कशन' की और आदेश की नहीं, सहमति की है। भागवत नेहाल में इससे भी आगे बढ़कर कहाकि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन संवाद का एक वैध माध्यम है और जेन-जी के आंदोलन में उठाई गई शिकायतें जायज हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी कह देना उचित नहीं है। उनका मानना है कि आंदोलन का उद्देश्य समाज में विभाजन पैदा करना नहीं, बल्कि सहमति और समाधान की दिशा में आगे बढ़ना होना चाहिए। शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत और छात्रों की नाराजगी के बीच संबंध की ओर भी उन्होंने संकेत किया।

भागवत के इस दृष्टिकोण की सराहना इसलिए भी की जानी चाहिए कि यह केवल किसी एक आंदोलन या किसी एक सरकार का प्रश्न नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र की उस मूल आत्मा को स्पर्श करता है, जिसमें सत्ता जनता से शक्ति प्राप्त करती है और जनता की आवाज सुनना उसकी संवैधानिक तथा नैतिक जिम्मेदारी है। विरोध को हमेशा विद्रोह मान लेना लोकतंत्र की समझ को संकुचित करना है। असहमति को राष्ट्रविरोध समझना उससे भी बड़ी भूल है। राष्ट्र सरकार से बड़ा है और लोकतंत्र सत्ता से बड़ा। जो नागरिक देश के भविष्य को लेकर सवाल करता है, वह जरूरी नहीं कि देश का विरोध कर रहा हो, कई बार वह देश को बेहतर बनाने की बेचैनी व्यक्त कर रहा होता है। आजादी की वर्षगांठ के अवसर पर जब हम स्वतंत्र भारत की उपलब्धियों का उत्सव मनाते हैं, तब हमें यह भी पूछना चाहिए कि हमारी आजादी का वास्तविक अर्थ क्या है? क्या आजादी केवल तिरंगा फहराने, राष्ट्रगान गाने और स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने तक सीमित है? या इसका अर्थ यह भी है कि देश का युवा अपने भविष्य को लेकर सवाल कर सके, व्यवस्था की कमियों की ओर ध्यान आकर्षित कर सके और अपनी बात बिना भय के रख सके? यदि हम सचमुच विकसित भारत, समृद्ध भारत और शक्तिशाली भारत का सपना देखते हैं तो हमें भारत के युवाओं के सपनों को सुनना ही होगा।

भारत के महान चिंतकों ने युवाशक्ति को राष्ट्रनिर्माण का आधार माना है। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को जागने, अपनी शक्ति पहचानने और लक्ष्य की ओर बढ़ने का आह्वान किया था। उनके चिंतन का मूल संदेश यही था कि युवा केवल राष्ट्र का भविष्य नहीं, वर्तमान की सक्रिय शक्ति भी हैं। महात्मा गांधी का विश्वास था कि परिवर्तन केवल सत्ता के गलियारों से नहीं आता, वह जागरूक नागरिकों की चेतना से आता है। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने बार-बार युवाओं के सपनों को भारत के भविष्य से जोड़ा। उनके लिए सपना वह नहीं था जो सोते समय दिखाई देता है, बल्कि वह था जो व्यक्ति को सोने नहीं देता। आज के युवाओं की बेचैनी को इसी दृष्टि से समझने की आवश्यकता है। नई पीढ़ी और पिछली पीढ़ी के बीच अंतर स्वाभाविक है।

पहले परिवार, विद्यालय और समाज में 'क्यों' पूछने की गुंजाइश कम थी, बड़े जो कहते थे, उसे मान लेना संस्कार समझा जाता था। आज का युवा प्रश्न करता है-क्यों, कैसे और किसलिए? वह केवल परंपरा के नाम पर किसी बात को स्वीकार नहीं करता। वह प्रमाण चाहता है, तर्क चाहता है और परिणाम देखना चाहता है। यह बदलाव चुनौती भी है और अवसर भी। यदि हम इस प्रश्नाकुलता को दबाएंगे तो कुंठा पैदा होगी, यदि इसे सही दिशा देंगे तो यही प्रश्न नवाचार, अनुसंधान और राष्ट्रनिर्माण की शक्ति बनेंगे।

विचारों के टकराव से घबराने की जरूरत नहीं है। भारतीय संस्कृति स्वयं 'वादे वादे जायते तत्त्वबोधः' की संवाद परंपरा से विकसित हुई है। उपनिषदों में प्रश्न हैं, उत्तर हैं, पुनः प्रश्न हैं। भगवान महावीर की अनेकांत दृष्टि हमें सिखाती है कि सत्य को एकांगी दृष्टि से नहीं देखा जा सकता। एक ही विषय के अनेक पक्ष हो सकते हैं। इसलिए बहस लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी बौद्धिक ताकत है। समस्या बहस में नहीं, बहस के हिंसक हो जाने में है, समस्या असहमति में नहीं, असहमति के नाम पर अराजकता में है। इसीलिए भागवत की बात का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है-विरोध संविधान की मर्यादा में हो, शांतिपूर्ण हो और उसका लक्ष्य व्यक्ति को अपमानित करना नहीं, व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन लाना हो। आंदोलन लोकतंत्र का अधिकार है, लेकिन लोकतांत्रिक अनुशासन के साथ। सरकार की आलोचना लोकतंत्र है, हिंसा लोकतंत्र नहीं। प्रश्न करना स्वतंत्रता है, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना स्वतंत्रता नहीं। इसलिए सरकार और आंदोलनकारी-दोनों की जिम्मेदारियां हैं। लेकिन सरकार की जिम्मेदारी अधिक बड़ी है, क्योंकि उसके पास सत्ता, प्रशासन और संस्थागत शक्ति होती है। किसी छात्र की आवाज को लाठी से दबाया जा सकता है, लेकिन उसकी आशंका को लाठी से समाप्त नहीं किया जा सकता। किसी आंदोलनकारी को राष्ट्रविरोधी कह देने से उसका प्रश्न समाप्त नहीं हो जाता। यदि उसकी मांग गलत है तो तथ्य और तर्क से उसे गलत सिद्ध किया जाए। यदि मांग सही है तो उसे स्वीकार करने में संकोच क्यों? लोकतंत्र में सरकार का सबसे प्रभावी हथियार पुलिस नहीं, संवाद है। यहां मोहन भागवत की भूमिका एक मार्गदर्शक की तरह दिखाई देती है। उन्होंने अनेक अवसरों पर केवल प्रशंसा करने के बजाय व्यापक सामाजिक हित के प्रश्न उठाए हैं। जब सत्ता या व्यवस्था किसी दिशा में आवश्यकता से अधिक आगे बढ़ती दिखाई देती है, तब एक जिम्मेदार मार्गदर्शक का दायित्व होता है कि वह उसे आत्ममंथन की ओर ले जाए। भागवत की यह भूमिका हमें महाभारत के भीष्म पितामह की याद दिलाती है-ऐसे व्यक्ति की, जो सत्ता के केंद्र में रहते हुए भी समय-समय पर धर्म, मर्यादा और व्यापक हित की याद दिलाता है। यह तुलना व्यक्ति-पूजा के लिए नहीं, बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका की व्याख्या के लिए है। सरकारें जब जनता की आवाज समय पर सुनती हैं तो आंदोलन समस्या बनने से पहले समाधान बन सकता है। लेकिन जब शिकायतें महीनों और वर्षों तक फाइलों में पड़ी रहती हैं, जब संवाद के रास्ते बंद होते जाते हैं और जब नागरिक को लगता है कि उसकी सुनवाई नहीं होगी, तब असंतोष सड़क पर आता है। फिर वही आंदोलन राजनीतिक दलों, अवसरवादी तत्वों और निहित स्वार्थों के लिए मैदान बन जाता है। परिणामतः मूल मुद्दा पीछे छूट जाता है और आंदोलन का चरित्र बदलने लगता है। यही वह स्थिति है जिससे लोकतंत्र को बचाना है। नीट और परीक्षा व्यवस्था से जुड़े विवादों ने भी यही संदेश दिया है कि युवाओं के भविष्य से जुड़े मामलों में सरकार और संस्थाओं को असाधारण संवेदनशीलता दिखानी होगी। परीक्षा केवल एक प्रश्नपत्र नहीं होती, वह लाखों परिवारों के वर्षों के परिश्रम, सपनों और आर्थिक-सामाजिक आकांक्षाओं से जुड़ी होती है। यदि किसी विद्यार्थी को लगता है कि उसकी मेहनत निष्पक्ष व्यवस्था में नहीं आंकी गई, तो उसका आक्रोश स्वाभाविक है। हाल के छात्र आंदोलनों ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला दिया है। इस संदर्भ में पुलिस की भूमिका भी पुनर्परिभाषित करने की जरूरत है। हर प्रदर्शनकारी अपराधी नहीं होता और हर नारा राष्ट्रविरोधी नहीं होता। पुलिस को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा का प्रशिक्षण भी मिलना चाहिए। राष्ट्रविरोधी गतिविधि और जायज नागरिक असहमति के बीच अंतर करना लोकतांत्रिक पुलिस व्यवस्था की पहली कसौटी है। इसलिए मोहन भागवत की बात को केवल जेन-जी आंदोलन के संदर्भ में देखने की बजाय उसे भारत की लोकतांत्रिक यात्रा के व्यापक संदेश के रूप में देखा जाना चाहिए। सरकारें आएंगी-जाएंगी, राजनीतिक दल बदलेंगे, आंदोलनों के स्वरूप बदलेंगे, लेकिन लोकतंत्र की बुनियादी आवश्यकता नहीं बदलेगी, जनता को सुनना होगा।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

छात्र आंदोलनों को उपद्रव नहीं, लोकतंत्र की चेतावनी मानें

सरकारों को छात्र असंतोष को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या के रूप में नहीं, बल्कि जवाबदेही और शासन-व्यवस्था की समीक्षा के संकेत के रूप में भी देखना चाहिए।

चेतावनी की घंटी- दिल्ली, पटना, रांची, कोलकाता, भोपाल, गोवा और बिहार के छपरा-सीवान समेत कई इलाकों में हाल के दिनों में छात्र आंदोलनों ने सार्वजनिक जीवन को प्रभावित किया है। कहीं परीक्षा में अनियमितता के आरोप हैं, कहीं भर्ती प्रक्रिया में देरी, तो कहीं फीस वृद्धि, छात्रावास की कमी और परीक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल। मुद्दे भले अलग-अलग हों, लेकिन इन आंदोलनों के पीछे एक साझा बेचैनी दिखाई देती है, युवा अपनी शिकायतों को सार्वजनिक रूप से उठाना चाहते हैं और व्यवस्था से जवाब मांग रहे हैं। नीट-यूजी परीक्षा से जुड़े विवादों और कथित अनियमितताओं ने इस असंतोष को और तीखा किया। लाखों अभ्यर्थियों के भविष्य से जुड़ी परीक्षा में यदि पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर सवाल उठते हैं, तो उसका असर केवल परीक्षा तक सीमित नहीं रहता। यह युवाओं के उस भरोसे को प्रभावित करता है, जिसके आधार पर वे वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। बिहार समेत कई राज्यों में छात्र आंदोलनों के दौरान सड़क जाम, पथराव, तोड़फोड़ और पुलिस के साथ टकराव जैसी घटनाएं भी सामने आती रही हैं। ऐसी स्थितियों में प्रशासन के सामने कानून-व्यवस्था बनाए रखने की चुनौती स्वाभाविक है। लेकिन यह भी उतना ही महत्वपूर्ण सवाल है कि आखिर वह स्थिति पैदा क्यों हुई, जिसमें विद्यार्थी अपनी बात रखने के लिए सड़क को माध्यम बनाने को मजबूर हुए।

प्रतिक्रिया और चुनौती- सरकारों की पहली जिम्मेदारी सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखना है। प्रदर्शन यदि हिंसक हो जाएं, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचे या आम लोगों के आवागमन में बाधा उत्पन्न हो, तो प्रशासन को कार्रवाई करनी पड़ती है। लेकिन हर आंदोलन को शुरुआत से ही कानून-व्यवस्था की समस्या मान लेना भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए स्वस्थ संकेत नहीं है। छात्रों का शांतिपूर्ण प्रदर्शन लोकतांत्रिक अधिकार है। दूसरी ओर, लोकतांत्रिक अधिकार के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी है। हिंसा, तोड़फोड़ और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान किसी भी जायज मांग को कमजोर कर देता है। इसलिए सरकार और आंदोलनकारी, दोनों के लिए संयम आवश्यक है। समस्या तब गंभीर होती है जब छात्रों को यह महसूस होने लगे कि उनकी शिकायतें संस्थागत स्तर पर सुनी नहीं जा रही हैं। परीक्षा में देरी, परिणाम में अनिश्चितता, भर्ती प्रक्रिया का वर्षों तक लंबित रहना या शिकायतों पर स्पष्ट जवाब न मिलना युवाओं में निराशा और अविश्वास पैदा करता है।

इतिहास से सीखने की जरूरत- भारत का लोकतांत्रिक इतिहास छात्र आंदोलनों की भूमिका का गवाह रहा है। गुजरात का नवनिर्माण आंदोलन, बिहार का छात्र आंदोलन और जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में चला व्यापक आंदोलन इसके महत्वपूर्ण उदाहरण हैं। इन आंदोलनों ने केवल तत्कालीन मुद्दों को ही नहीं उठाया, बल्कि शासन, भ्रष्टाचार और राजनीतिक जवाबदेही जैसे बड़े सवालों को भी राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनाया। इतिहास यह भी बताता है कि जब संस्थागत संवाद कमजोर पड़ता है, तो सड़क आंदोलन का प्रमुख मंच बन जाती है। वहीं, आंदोलन यदि हिंसक दिशा में चला जाए या सरकार केवल बल प्रयोग के जरिए उसे नियंत्रित करने का प्रयास करे, तो समाधान और कठिन हो सकता है।

शिकायत को अवसर की तरह देखें- छात्र आंदोलन को केवल दबाने या नजरअंदाज करने के बजाय सरकारों को उसमें छिपी शिकायत को समझने की कोशिश करनी चाहिए। यदि बड़ी संख्या में युवा परीक्षा व्यवस्था, भर्ती प्रक्रिया या शिक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठा रहे हैं, तो यह शासन के लिए आत्ममंथन का अवसर भी है। इसके लिए छात्र प्रतिनिधियों के साथ नियमित संवाद, प्रभावी शिकायत निवारण तंत्र, परीक्षा एवं भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता, समयबद्ध परिणाम और जिम्मेदारी तय करने की स्पष्ट व्यवस्था जरूरी है। किसी परीक्षा में गड़बड़ी की शिकायत हो तो उसकी जांच की समयसीमा और कार्रवाई की जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए। इससे अफवाह और अविश्वास की गुंजाइश कम होगी।

लोकतंत्र में संवाद ही रास्ता- भारत का युवा निष्पक्ष परीक्षा, पारदर्शी भर्ती और अपनी बात सुने जाने की अपेक्षा रखता है। सरकारों के पास कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी है, जबकि छात्रों के पास शांतिपूर्ण और जिम्मेदार तरीके से अपनी मांग रखने का लोकतांत्रिक दायित्व। इसलिए छात्र आंदोलनों को केवल 'उपद्रव' कहकर खारिज कर देना आसान रास्ता हो सकता है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं। हर आंदोलन के पीछे की शिकायत को समझना और जायज मांगों पर समयबद्ध कार्रवाई करना लोकतंत्र को मजबूत करता है।आखिर सड़क पर उतरता हुआ छात्र केवल विरोध नहीं कर रहा होता, वह व्यवस्था से यह भी पूछ रहा होता है, क्या मेरी आवाज सुनी जा रही है? लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि इस सवाल का जवाब लाठी से नहीं, संवाद और जवाबदेही से दिया जाए।

अमेरिकी सीनेट में लिंडसे ओ. ग्राहम रूस और ईरान प्रतिबंध अधिनियम, 2026 भारी बहुमत 86/11 से पारित

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

मक्का से वाशिंगटन तक बदलती विश्व व्यवस्था :भारत के सामने सुरक्षा, व्यापार और अर्थव्यवस्था की चारहरी चुनौती

भारत के सामने चार मोर्चों की नई चुनौतीः संभावित अमेरिकी 100 प्रतिशत टैरिफ, मक्का रक्षा समझौता, एफसीआरए संशोधन और कर सुधार -विकास,बाजार व निवेश पर क्या होगा असर?

वैश्विक स्तरपर, भारत के सामने एक साथ चार ऐसे घटनाक्रम खड़े हैं,जिनका असर केवल तत्काल राजनीति या कूटनीति तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, विदेशी व्यापार, निवेश, शेयर बाजार, गैर-सरकारी क्षेत्र और भारत की दीर्घकालिक विकास रणनीति तक पहुंच सकता है। 8 अगस्त 2026 को शाम 6 तक की स्थिति देखें तो,भारत के आर्थिक, वाणिज्यिक कूटनीतिक और विधायी परिदृश्य में एक साथ कई महत्वपूर्ण घटनाक्रम दिखाई दे रहे हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क्रि संसद का मानसून सत्र 13 अगस्त तक चलना है और इसी बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसे निर्णय और प्रस्ताव सामने आए हैं, जिनका प्रभाव भारत की ऊर्जा सुरक्षा, निर्यात, विदेशी निवेश,शेयर बाजार, गैर- सरकारी संस्थाओं तथा दीर्घकालीन आर्थिक विकास पर पड़ सकता है। एक ओर अमेरिकी सीनेट ने रूस और ईरान पर प्रतिबंधों से जुड़ा लिंडसे ओं ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ़ 2026 क्रो बहुत भारी बहुमत 86/11 (यानें 11 के मुकाबले 86) मतों से पारित किया है,जिसमें रूस की ऊर्जा खरीद करने वाले देशों पर राष्ट्रपति को 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का अधिकार देने का प्रावधान है; दूसरी ओर सऊदी अरब, तुर्किये और पाकिस्तान ने मक्का में सामूहिक रक्षा समझौता किया है। साथ ही भारत में एफसीआरए व्यवस्था को और कठोर बनाने वाला प्रस्तावित संशोधन और कराधान एवं अन्य विधियां (संशोधन) विधेयक 2026 इनमें सबसे महत्वपूर्ण अमेरिकी सीनेट द्वारा रूस और ईरान से संबंधित प्रतिबंध विधेयक को मंजूरी सऊदी अरब- तुर्किये-पाकिस्तान का संयुक्त रक्षा समझौता, विदेशी अंशदान विनियमन कानून में संभावित संशोधन और कराधान संबंधी संशोधन विधेयक का लोकसभा से पारित होना है। इन चारों घटनाक्रमों को अलग-अलग देखने के बजाय एक साथ समझना भारत की भविष्य की आर्थिक और रणनीतिक दिशा के लिए अत्यंत आवश्यक है। साथियों बात अगर हम पहले मोर्चे रूस से तेल और अमेरिकी 100 प्रतिशत टैरिफ का खतरा भारत की ऊर्जा सुरक्षा बनाम निर्यात सुरक्षा, इसको समझने की करें तो अमेरिकी सीनेट ने रूस और ईरान से संबंधित प्रतिबंध विधेयक को 86 के मुकाबले 11 मतों से पारित किया है। प्रस्तावित व्यवस्था के अंतर्गत रूस से तेल और गैस खरीदने वाले भारत,चीन,अजरबैजान, हंगरी और स्लोवाकिया जैसे देशों से अमेरिका आने वाले सामान पर 100 प्रतिशत तक अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने का अधिकार राष्ट्रपति को मिल सकता है। हालांकि यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि यह अभी कानून नहीं बना है। इसे अमेरिकी प्रतिनिधि सभा से पारित होना और उसके बाद राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलना आवश्यक है।इसलिए वर्तमान स्थिति को भारत पर तत्काल 100 प्रतिशत शुल्क लागू होना कहना सही नहीं होगा।अतः फिर भी भारत के लिए यह गंभीर आर्थिक संकेत है। रूस से सस्ता कच्चा तेल मिलने के कारण भारतीय तेल शोधन कंपनियों को पिछले कुछ वर्षों में लागत नियंत्रित करने में सहायता मिली है।यदि अमेरिकी दबाव के कारण भारत को रूसी तेल की खरीद कम करनी पड़ती है और महंगे स्त्रोतों से तेल लेना पड़ता है तो इसका प्रभाव केवल तेल कंपनियों तक सीमित नहीं रहेगा।

परिवहन, विमानन,रसायन, उर्वरक, प्लास्टिक, विनिर्माण और अन्य अनेक उद्योगों की लागत बढ़ सकती है। इससे महंगाई पर भी दबाव उत्पन्न हो सकता है।दूसरी ओर यदि भारत रूसी तेल खरीद जारी रखता हैऔर अमेरिका भारतीय उत्पादों परअत्यधिक शुल्क लगाता है तो अमेरिका को निर्यात करने वाली भारतीय कंपनियों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता प्रभावित हो सकती है। वस्त्र, औषधि, इंजीनियरिंग उत्पाद, वाहन कलपुर्जे, रत्न-आभूषण और इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देना होगा। साथियों, लेकिन इस चुनौती में भारत के लिए अवसर भी छिपा है।भारत को अमेरिका पर अत्यधिक निर्भरता घटाते हुए यूरोप,अफ्रीका,पश्चिम एशिया,दक्षिण-पूर्व एशिया और लैटिन अमेरिका में नए बाजार विकसित करने चाहिए। इससे किसी एक देश की व्यापार नीति में परिवर्तन का भारतीय निर्यात पर अत्यधिक प्रभाव नहीं पड़ेगा।कच्चे तेल की कीमत और भारतीय अर्थव्यवस्था

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर चिंता के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार- चढ़ाव बना हुआ है। 8 अगस्त को दिए गए आंकड़ों के अनुसार अमेरिकी डब्ल्यूटीआई कच्चे तेल में लगभग 1.15 प्रतिशत और ब्रेंट कच्चे तेल में लगभग 1.29 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई।भारत के लिए कच्चे तेल की कीमत अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकता का बड़ा हिस्सा आयात करता है। तेल महंगा होने पर देश का आयात व्यय बढ़ सकता है, व्यापार घाटे पर दबाव आ सकता है और रुपये की विनिमय दर प्रभावित हो सकती है। शेयर बाजार में भी इसका असर अलग-अलग क्षेत्रों में दिखाई दे सकता है। विमानन, परिवहन और अधिक ईंधन खर्च करने वाले उद्योगों पर दबाव बढ़ सकता है, जबकि ऊर्जा क्षेत्र की कुछ कंपनियों को लाभ हो सकता है।इसलिए निवेशकों को आने वाले समय में केवल शेयर बाजार के सूचकांकों पर ही नहीं, बल्कि कच्चे तेल की कीमत, रुपये की स्थिति, भारत का व्यापार घाटा और अमेरिकी व्यापार नीति पर भी नजर रखनी होगी।

साथियों बात अगर हम दूसरा मोर्चाःमक्का रक्षा समझौता भारत के लिए नया पश्चिम एशियाई रणनीतिकसमीकरण इसको समझने की करें तो,7 अगस्त को सऊदी अरब, तुर्किये और पाकिस्तान ने मक्का में संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किएइसके अंतर्गत किसी एक देश पर सशस्त्र हमला होने की स्थिति में तीनों देशों के बीच सामूहिक रक्षा सहयोग की व्यवस्था की गई है।

इसे कई विश्लेषक एक नए क्षेत्रीय सुरक्षा समूह के रूप में देख रहे हैं, हालांकि इसे तत्काल औपचारिक रूप से इस्लामी नाटो कहना उचित नहीं होगा।भारत के लिए इस समझौते का महत्व इसलिए बढ़ जाता है क्योंकि सऊदी अरब भारत का महत्वपूर्ण ऊर्जा और निवेश साझेदार है, जबकि पाकिस्तान भारत का पड़ोसी और सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील देश है। तुर्किये भी पश्चिम एशिया और व्यापक अंतरराष्ट्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका रखता है।भारत को इस घटनाक्रम को केवल भारत-पाकिस्तान संबंधों के दृष्टिकोण से नहीं देखना चाहिए। पश्चिम एशिया भारत के लिए ऊर्जा, व्यापार, रोजगार, निवेश और समुद्री सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत को सऊदी अरब तथा अन्य खाड़ी देशों के साथ आर्थिक और रणनीतिक संबंध और मजबूत करने होंगे।इसका सबसे बड़ा अवसर भारत की ऊर्जा स्त्रोतों में विविधता है। रूस के साथ संबंध बनाए रखते हुए भारत को खाड़ी देशों, अमेरिका, अफ्रीका और अन्य ऊर्जा उत्पादक देशों से भी दीर्घकालीन आपूर्ति व्यवस्था विकसित करनी होगी। इससे किसी एक क्षेत्र में संकट उत्पन्न होने पर भारत की ऊर्जा सुरक्षा प्रभावित नहीं होगी। साथियों बात अगर हम तीसरा मोर्चाः एफसीआरए संशोधन राष्ट्रीय सुरक्षा और पारदर्शिता बनाम नागरिक समाज की स्वतंत्रता इसको समझने की करें तो एफसीआरए का विषय आर्थिक से अधिक संस्थागत और लोकतांत्रिक अर्थव्यवस्था से जुड़ा हुआ है।

आज का राशिफल

मेषः आज का दिन ऊर्जा और उत्साह से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिलेंगे, लेकिन जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचें। वरिष्ठ अधिकारियों का पूरा सहयोग प्राप्त होगा, जिससे आपके कई अटके हुए काम पूरे हो सकते हैं। व्यापारिक मामलों में धन लाभ के योग हैं। लव लाइफ में नया मोड़ आ सकता है। शाम के समय परिवार के साथ बिताया गया पल आपको मानसिक शांति देगा।

वृषभः आर्थिक दृष्टिकोण से आज का दिन शुभ रहेगा। परिवार के साथ सुखद समय व्यतीत करेंगे और रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। नए निवेश के लिए योजनाएं बना सकते हैं, जो भविष्य में अच्छा फायदा देंगी। सेहत में पहले से सुधार देखने को मिलेगा। विद्यार्थियों का पढ़ाई में मन लगेगा। जीवनसाथी के साथ सामंजस्य बेहतरीन रहेगा।

मिथुनः वाणी पर संयम रखें। नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने के लिए समय अच्छा है, लेकिन सहकर्मियों की सलाह अवश्य लें। अचानक आए खर्चों के कारण बजट थोड़ा प्रभावित हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन या नई जिम्मेदारी मिल सकती है। खान-पान में लापरवाही से पेट संबंधित समस्याएं हो सकती हैं।

कर्कः आज आपका मन थोड़ा अशांत रह सकता है। योग या ध्यान का सहारा लें। पारिवारिक सहयोग से मुश्किलें दूर होंगी। लेन-देन से जुड़े मामलों में सावधानी बरतने की आवश्यकता है। जीवनसाथी का सहयोग आपको संबल प्रदान करेगा। वाहन चलाते समय सतर्क रहें। शाम के समय किसी पुराने मित्र से बातचीत होकर मन प्रसन्न होगा।

सिंहः आत्मविश्वास चरम पर रहेगा। व्यापार और नौकरी में लाभ के योग हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आप जो भी काम हाथ में लेंगे, उसमें सफलता मिलने की पूरी संभावना है। सरकारी काम बन सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। दोस्तों के साथ किसी मनोरंजक यात्रा की योजना बन सकती है।

कन्याः योजनाबद्ध तरीके से काम करेंगे तो सफलता निश्चित है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें, खान-पान संतुलित रखें। ऑफिस में आपके काम की सराहना होगी। विरोधियों की चालें विफल रहेंगी। पैसों के मामले में किसी पर भी आंख बंद करके भरोसा न करें।

तुलाः रचनात्मक कामों में रुचि बढ़ेगी। दोस्तों के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। पैसों के लेनदेन में सावधानी बरतें। करियर में उन्नति के नए द्वार खुलेंगे। लव पार्टनर के साथ चल रहा तनाव खत्म होगा। उच्च शिक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए दिन अनुकूल है।

वृश्चिकः आज किसी बड़ी जिम्मेदारी का सामना करना पड़ सकता है। अपनी मेहनत पर भरोसा रखें, दिन के अंत में अच्छे परिणाम मिलेंगे। कार्यस्थल पर किसी से बेवजह बहस करने से बचें। पैसों की स्थिति सामान्य रहेगी। संपत्ति या वाहन खरीदने का विचार बन सकता है। शाम का समय परिवार के साथ हंसी-खुशी बीतेगा।

धनुः भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। लंबी दूरी की यात्रा के योग बन रहे हैं। धार्मिक कार्यों में मन लगेगा। आपकी कार्यकुशलता से लोग प्रभावित होंगे। लंबे समय से रुका हुआ काम गति पकड़ेगा। प्रेम जीवन में मिठास बनी रहेगी। मानसिक रूप से आप खुद को काफी हल्का और तरोताजा महसूस करेंगे।

मकरः काम का बोझ थोड़ा अधिक रह सकता है। धैर्य से काम लें और दूसरों के विवादों में पड़ने से बचें। वित्तीय मामलों में समझदारी से फैसले लें। परिजनों की सेहत पर ध्यान देने की जरूरत है। व्यापार में नया प्रयोग करने से अभी बचें। रात तक परिस्थितियां आपके पक्ष में आने लगेंगी।

कुंभः साझेदारी के कामों में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर होंगे। नए विचार आपको आगे बढ़ाएंगे। आपकी सामाजिक सक्रियता बढ़ेगी और नए लोगों से संपर्क स्थापित होंगे। आय के नए स्त्रोत बन सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे जातकों को शुभ समाचार मिलेगा। तनाव से दूर रहें।

मीनः प्रतिस्पर्धियों पर विजय प्राप्त होगी। स्वास्थ्य में सुधार आएगा और रुके हुए कार्य गति पकड़ेंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का उचित फल मिलेगा। किसी रिश्तेदार से सुखद समाचार मिल सकता है। विदेश से जुड़े मामलों में लाभ होने की संभावना है। अध्यात्म की ओर झुकाव बढ़ेगा।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

प्रशंसकों को उम्मीद, वैभव सूर्यवंशी तोड़ सकते हैं ब्रायन लारा का 400 रनों का रिकार्ड

एजेंसी, मुम्बई

15 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने जिस प्रकार से अब तक खेला है। इससे उनके प्रशंसकों की उम्मीदें भी बढ़ती जा रही हैं। अब प्रशंसकों को उम्मीद है कि वह वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज ब्रायन लारा का 400 रनों का विश्व रिकार्ड तोड़ सकते हैं। वैभव ने हालांकि अभी तक भारतीय टीम से केवल टी20 प्रारुप में ही खेला है पर जिस प्रकार की प्रतिभा उनमें पायी गयी है उससे तय है कि

भविष्य में कई रिकार्ड तोड़ सकते हैं। उनकी प्रतिभा को देखते हुए टेस्ट और एकदिवसीय प्रारुपफॉर्मेट में भी उनके डेब्यू की चर्चाएं तेज हो गई हैं। अब वैभव लाल गेंद से खेली जाने वाली प्रतिष्ठित घरेलू प्रतियोगिता दिलीप ट्रॉफी में खेलते हुए दिखेंगे। वैभव का कहन है कि व भारतीय टीम के लिए टेस्ट प्रारुप में खेलना चाहते हैं और उसी दिशा में प्रयास कर रहे हैं। वैभव के लिए हालांकि स्ट क्रिकेट में अपनरे को स्थापित करना इतना भी आसान नहीं होगा, क्योंकि यह प्रारूप संयम और धैर्य की कसौटी होता है। वैभव अभी तक जिस भी सीमित ओवरों के टूर्नामेंट में उतरे हैं, उन्होंने कोई न कोई रिकॉर्ड बनाया या तोड़ा है. ऐसे में अगर उन्हें टेस्ट क्रिकेट में खेलने का मौका मिलता है, तो उनके निशाने पर लारा का वह ऐतिहासिक रिकॉर्ड होगा। इस रिकार्ड को तोड़ने के इस ऐतिहासिक उपलब्धि को तोड़ने के लिए भारतीय टीम के पूर्व विस्फोटक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने भी कई बार प्रयास किए, लेकिन वे कभी इसमें सफल नहीं हो पाए। वहीं क्रिकेट दिग्गजों का मानना है कि वैभव में वह असाधारण प्रतिभा है, जो लारा के टेस्ट क्रिकेट के इस सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोर के रिकॉर्ड को ध्वस्त कर सकती है.

आधुनिक क्रिकेट के टी20 प्रारूप में बल्लेबाजों के लिए शतक लगाना एक आम बात हो गई है, लेकिन इसके विपरीत टेस्ट क्रिकेट की बात करें तो इस फॉर्मेट में रन बनाने से कहीं ज्यादा बल्लेबाज का धैर्य और संयम मायने रखता है कि वह क्रीज पर कितनी देर टिका रहा। टेस्ट में टी20 के जैसे हर गेंद पर चौके और छक्के देखने को नहीं मिलते, बल्कि यहां एक-एक रन के लिए संघर्ष करना पड़ता है. यही कारण है कि टेस्ट में सिर्फ शतक ही नहीं, दोहरा और तिहरा शतक भी लगता है, लेकिन लाल गेंद के इस प्रारूप में लारा ने 400 रन के ऐतिहासिक आंकड़े को छूने का अद्भुत कारनामा किया है, जो आज भी एक मील का पत्थर है।

श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में होगी ऋषभ की कड़ी परीक्षा

एजेंसी, कोलंबो

खराब फार्म से गुजर रहे भारतीय टीम के आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत के लिए श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज बेहद अहम है। टीम में अपनी जगह पक्की करने के लिए उन्हें इस सीरीज में अपना सर्वश्रेष्ट प्रदर्शन करना होगा। सीरीज से पहले तीन दिवसीय अभ्यास मैच में वह फिर रन बनाने में असफल रहे जिससे उनके प्रशंसकों के साथ ही टीम प्रबंधनर की भी चिन्ताएं बढ़ गयी हैं। पिछले कुछ समय से वह मैदान पर लापरवाही से खराब शॉट लगाने के कारण आउट हो रहे हैं। इससे उनके खेल के प्रति रवैये पर भी सवाल उठने लगे हैं। साथ ही उनका भविष्य भी खतरे में नजर आ रहा है। वह अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पा रहे। जिसका

कारण उनके लापरवाही भरे शॉट हैं। अभ्यास मैच में भी उन्होंने यही गलती दोहरायी। वह दोनों पारियों में विफल रहे। पहली पारी में वह मात्र 2 रन जबकि दूसरी पारी में केवल 28 रन बना पाये। इन दोनों ही पारियों में पंत का बल्लेबाजी करने का तरीका बेहद लापरवाह और गैर-जिम्मेदाराना लगा। उन्होंने ऐसे शॉट खेलने की कोशिश की मानो वह किसी गली क्रिकेट मैच में खेल रहे हों। वह कभी बाहर जाती गेंद को पैर से मारकर तो कभी गैरजरी शॉट खेलकर अपना विकेट खोते दिखे। उनका यह रवैया दर्शाता है कि वह अपनी बल्लेबाजी को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं, जबकि टीम में अपनी जगह बनाए रखने के लिए यह बेहद आवश्यक है। वैसे तो वह अपने अनूठे और जोखिम भरे शॉट्स के लिए जाने जाते हैं पर लगातार मिल रही असफलताओं के बीच उन्हें अपने खेल पर फिर से ध्यान केंद्रित करने की सख्त जरूरत है। यह लापरवाही केवल अभ्यास मैच तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके पूरे करियर पर भारी पड़ रही है, खासकर जब टीम इंडिया में उनकी जगह लेने के लिए ध्रुव जुरेल और ईशान किशन जैसे युवा और प्रतिभाशाली खिलाड़ी तैयार बैठे हैं, जो मौके का इंतजार कर रहे हैं। यदि वह इसी तरह खेलते रहे तो तो टीम से बाहर होना तय है। वह पिछले काफी समय से सीमित ओवरों की टीम से बाहर चल रहे हैं। टीम इंडिया के लिए वह आखिरी बार एकदिवसीय और टी20 में कुछ साल पहले ही खेले थे, जिसके बाद से उन्हें केवल टेस्ट फॉर्मेट में ही खेलने का अवसर मिल रहा है। इस दौरान ईशान किशन और संजू सैमसन जैसे खिलाड़ियों ने मिले अवसरों का बखूबी फायदा उठाया है और सफेद गेंद क्रिकेट में अपनी जगह पक्की की है।

हॉकी विश्व कप में भारतीय टीम सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए तैयार

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय पुरुष हॉकी टीम 15 अगस्त से बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले एफआईएच हॉकी पुरुष विश्व कप 2026 में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए तैयार है। भारत को विश्व कप में पूल डी में रखा गया है और उसका पहला मुकाबला 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ होगा। इसके बाद 17 अगस्त को उसे इंग्लैंड और 19 अगस्त को परंपरागत-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से खेलना है। भारतीय टीम इस बार 51 साल बाद हॉकी विश्व कप का खिताब अपने जीतने के प्रयास करेगी। इससे पहले उसने साल 1975

में ये खिताब अजीत सिंह की कप्तानी में जीता था। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए भारतीय हॉकी फेडरेशन ने कई युवा और उभरते हुए खिलाड़ियों को शामिल किया है। टीम में शामिल गोलकीपर मोहित एचएस, डिफेंडर यशदीप सिवाच और मिडफील्डर राजिंदर सिंह व आदित्य अर्जुन लालगे जैसे खिलाड़ियों से टीम को बड़ी उम्मीदें हैं। इन्होंने अपने हाल के प्रदर्शन से चयनकर्ताओं का भरोसा जीता है और अब विश्व मंच पर अपनी छाप छोड़ने को तैयार हैं। टीम में शामिल होने वाले 23 वर्षीय मिडफील्डर आदित्य अर्जुन लालगे विश्वकप में लेकर बेहद उत्साहित हैं। उनका ध्यान देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने पर है। आदित्य ने कहा कि सीनियर खिलाड़ियों और कोचों के निरंतर मार्गदर्शन से उनका मनोबल बढ़त है। उनकी पूरी टीम एक ही लक्ष्य के साथ कड़ी मेहनत कर रही है। वहीं मध्यपंक्ति के साथी खिलाड़ी राजिंदर सिंह ने टीम की एकजुटता को इसकी सबसे बड़ी ताकत बताया।

अल्काराज के बाद सिनर भी सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट से हटे

एजेंसी, रोम। स्पेन के कार्लोस अल्काराज के बाद विश्व के नंबर एक खिलाड़ी इटली के यानिक सिनर ने भी फिट नहीं होने के कारण सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। पांच बार के ग्रैंड स्लैम विजेता सिनर अभी तक अपनी घटने की चोट से नहीं उबर पाये हैं। इससे सिनर के प्रशंसकों को झटका लगा है। सिनर गत माह विंबलडन में मिली जीत के बाद से ही टीम से बाहर हैं। वहीं अल्कराज ने कलाई की चोट के कारण अपना नाम वापस ले लिया था। सिनसिनाटी ओपन में पुरुष एकल वर्ग के मुकाबले शनिवार से शुरु होने जा रहे हैं। जिनका आकर्षण इन दोनो के नहीं होने से कम होगा। सिनर ने कहा है कि दाहिने घुटने में दर्द के कारण अभी वह खेलने की हालत में नहीं हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, अपने डॉक्टरों से परामर्श करने के बाद, मैंने सिनसिनाटी में होने वाले मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है। मेरे दाहिने घुटने में दर्द है और मैं अभी खेलने के लिए तैयार नहीं हूं। गौरतलब है कि सिनर ने इससे पहले टोरंटो में होने वाले टूर्नामेंट से भी अपना नाम वापस ले लिया था। इस प्रकार से बाहर रहने से आगामी अमेरिकी ओपन जैसे बड़े टूर्नामेंटों में उनकी तैयारियों को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

टी20 विकेटकीपरों में डी कॉक के नाम है सबसे ज्यादा शिकार

एजेंसी, मुम्बई

विश्व क्रिकेट में एक से बढ़कर एक विकेटकीपर हुए हैं। इनमें दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक, से लेकर भारत के महेन्द्र सिंह धोनी और इंग्लैंड के जोस बटलर हैं। वहीं अगर टी20 प्रारुप की बात करें तो डी कॉक टी-20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा शिकार करने वाले विकेटकीपरों की सूची में नंबर एक पर हैं। वही इंग्लैंड के बटलर दूसरे और धोनी तीसरे स्थान पर हैं। डी कॉक ने अपने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय करियर (2012-2026) में 110 मैचों की 109 पारियों में विकेटकीपिंग करते हुए कुल 117 शिकार किए हैं, जो इस

प्रारूप में किसी भी विकेटकीपर द्वारा सबसे अधिक है। इनमें 98 कैच और 19 स्टंपिंग शामिल हैं। उनकी प्रति पारी 1.073 शिकार की औसत और एक पारी में अधिकतम चार कैच लपकने की क्षमता उनकी फुर्ती का प्रमाण है, जिसने दक्षिण अफ्रीकी टीम को कई बार जीत मिली। वहीं इंग्लैंड के बटलर दूसरे स्थान पर हैं। साल 2011 से 2026 तक के अपने लंबे टी-20 करियर में, बटलर ने 130 पारियों में विकेटकीपर के रूप में 109 शिकार किए हैं, जिनमें 87 कैच और 22 स्टंपिंग शामिल हैं। उनका प्रति पारी शिकार औसत 0.838 रहा है, जो उनकी निरंतरता को दिखाता है। एक पारी में अधिकतम पांच शिकार (चार कैच और एक स्टंपिंग) उनके नाम है। वहीं भारत के धोनी ने साल 2006 से 2019 के बीच 97 पारियों में 91 शिकार किए और इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। हालांकि, उनका सबसे बड़ा प्रभाव 34 स्टंपिंग के विश्व रिकॉर्ड में दिखता है, जो इस प्रारूप में किसी भी विकेटकीपर द्वारा सबसे अधिक है।

बिजनेस

सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ फैसिनेट टेक्सटाइल्स का आईपीओ, 13 अगस्त तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी, नई दिल्ली

टेक्सटाइल सेक्टर के लिए काम करने वाली कंपनी फैसिनेट टेक्सटाइल्स का 66.98 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 13 अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 14 अगस्त को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 17 अगस्त को अलॉटेड शेयर डिमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 18 अगस्त को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद दोपहर 2:30 बजे तक इस आईपीओ को सिर्फ 64 आवेदन मिले थे, जिनके जरिये ये इश्यू महज तीन प्रतिशत सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 148 रुपये प्रति शेयर से लेकर 156 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 800 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 1,600 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके

लिए उन्हें 2,49,600 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 42,93,600 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें लगभग 54 करोड़ रुपये के 34,57,600 नए शेयर जारी किये जा रहे हैं, जबकि करीब 13 करोड़ रुपये के 8,36,000 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए सिर्फ 1.01 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 56.34 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 37.64 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.01 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए एफिलिटी ग्लोबल कैपिटल मार्केट प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि मां कैमियो कॉरपोरेट सर्विसेज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं गिरिराज स्टॉक ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। फैसिनेट टेक्सटाइल्स की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 48 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 5.81 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 15.07 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 28.90 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 60.28 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 117.23 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 12.33 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 18.21 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ उछल कर 26.02 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

छत्तीसगढ़ में होंडा कार्स इंडिया ने पेश की नई सिटी और जेडआर-वी, 2030 तक कंपनी करेगी भारत में विस्तार

एजेंसी, रायपुर

छत्तीसगढ़ में होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड (एचसीआईएल) ने नई सिटी और ग्लोबल प्रीमियम हाइब्रिड एसयूवी ऑल-न्यू होंडा जेडआर-वी पेश कर दी है। 2030 तक कंपनी भारत में अपना विस्तार करेगी। एचसीआईएल ने मंगलवार को वर्ष 2030 तक भारत में कारोबार विस्तार का रोडमैप प्रस्तुत करते हुए देश को अपने तीन प्रमुख वैश्विक बाजारों में शामिल बताया है। कंपनी ने कहा कि भारत उसके भविष्य के विकास का प्रमुख केंद्र होगा और इसी रणनीति के तहत 2028 से नए एसयूवी मॉडल तथा वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी छमाही में पहला बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन (बीईवी) भारतीय बाजार में उतारा जाएगा। इसकी रोड टेस्टिंग शुरू हो चुकी है। इसी क्रम में आज छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में कंपनी ने हाल ही में लॉन्च की गई नई होंडा सिटी और ग्लोबल प्रीमियम हाइब्रिड एसयूवी ऑल-न्यू होंडा जेडआर-वी को पेश किया। कंपनी ने बताया कि छत्तीसगढ़ उसके प्रमुख बाजारों में शामिल है और राज्य में

होंडा सिटी, एलिवेट और अमेज जैसे मॉडलों को ग्राहकों से लगातार अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। इस अवसर पर होंडा कार्स इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट मार्केटिंग एवं सेल्स कुणाल बहल ने कहा कि भारत में कंपनी के लिए विकास का महत्वपूर्ण दौर शुरू हो रहा है। कंपनी इस साल देश में छह नए वाहन पेश करने की योजना पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ होंडा के लिए महत्वपूर्ण बाजार है और यहां ग्राहकों का ब्रांड पर लगातार भरोसा बना हुआ है। कंपनी ने बताया कि 2028 से सब-4 मीटर एसयूवी और मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट में नए मॉडल लॉन्च किए जाएंगे। साथ ही लागत-कुशल वाहनों के अलावा भारत-केंद्रित और वैश्विक मॉडल भी बाजार में उतारे जाएंगे। नई होंडा सिटी को स्पोर्टी डिजाइन, प्रीमियम इंटीरियर और आधुनिक सुरक्षा तकनीक के साथ पेश किया गया है। इसमें 10.1 इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, 360 डिग्री कैमरा, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट, एंबियंट लाइटिंग और यूएसबी-सी चार्जिंग जैसे फीचर दिए गए हैं। सुरक्षा के लिए होंडा सेंसिंग एडीएएस तकनीक के तहत कोलिजन मिटिगेशन ब्रेकिंग सिस्टम, एडैप्टिव क्रूज कंट्रोल, लेन कीप असिस्ट, रोड डिपार्चर मिटिगेशन, लीड कार डिपार्चर नोटिफिकेशन और ऑटो हाई बीम जैसे फीचर शामिल किए गए हैं। यह मॉडल पेट्रोल और ई:एचईवी हाइब्रिड पावरट्रेन विकल्पों में उपलब्ध है। कंपनी के अनुसार हाइब्रिड मॉडल 27.26 किलोमीटर प्रति लीटर तक का माइलेज देता है। रायपुर में नई होंडा सिटी की एक्स-शोरूम कीमत 12.07 लाख रुपये से शुरू होकर 21.43 लाख रुपये तक रखी गई है। यह एमटी, सीवीटी और ई:एचईवी वेरिएंट में उपलब्ध होगी। कंपनी ने अपनी फ्लैगशिप प्रीमियम हाइब्रिड एसयूवी ऑल-न्यू जेडआर-वी भी रायपुर में पेश की। इसमें 2.0 लीटर स्पोर्ट्स हाइब्रिड सिस्टम, ड्युअल मोटर हाइब्रिड सेटअप और ई-सीवीटी ट्रांसमिशन दिया गया है। कंपनी के अनुसार यह 184 पीएस की संयुक्त शक्ति और 315 एनएम टॉर्क उत्पन्न करती है तथा 22.79 किलोमीटर प्रति लीटर तक का माइलेज देती है। जेडआर-वी में 18 इंच अलॉय व्हील, फुल एलईडी लाइटिंग, लेदर अपहोल्स्ट्री, ड्युअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, 9 इंच टचस्क्रीन, 10.2 इंच डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, वायरलेस चार्जिंग और 12-स्पीकर बोस साउंड सिस्टम जैसी सुविधाएं दी गई हैं।

दस और 20 रुपये के एक अरब पॉलिमर बैंक नोट लाने को सरकार की मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने 10 और 20 रुपये के एक अरब पॉलीमर बैंक नोट लाने की मंजूरी दे दी है। इन दोनों दो मूल्य वर्गों के 100-100 करोड़ पॉलीमर नोट जारी किए जाएंगे, जिसकी फील्ड ट्रायल को मंजूरी दे दी गई है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने मंगलवार को राज्यसभा में लिखित जवाब में बताया कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने अपने सेंट्रल बोर्ड की सिफारिश पर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया एक्ट, 1934 की धारा 25 के अंतर्गत सरकार को एक प्रस्ताव भेजा था। केंद्र सरकार ने फील्ड ट्रायल के लिए 10 और 20 रुपये

के एक अरब पॉलीमर बैंक नोट लाने को अपनी मंजूरी दे दी है।

उन्होंने बताया कि इस प्रस्ताव में फील्ड ट्रायल के लिए 10 रुपये और 20 रुपये के एक-एक अरब पॉलीमर बैंकनोट लाने और फील्ड ट्रायल के सफल होने के बाद इन दो मूल्य वर्गों में पॉलीमर बैंकनोटों को नियमित रूप से जारी करने की बात कही गई थी। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक के अनुसार इन पॉलिमर बैंकनोट्स को कागज वाले बैंकनोट्स के साथ ही जारी करने का प्रस्ताव है। उन्होंने बताया कि आरबीआई ने जानकारी दी है कि खरीद की प्रक्रिया अभी शुरुआती चरण में है, इसलिए अभी यह बताना मुमकिन नहीं है कि पॉलीमर बैंकनोट कब लाए जाएंगे या उन पर कितना खर्च आएगा।

अमेरिकी अदालत ने गौतम अडाणी के खिलाफ आपराधिक मामला खारिज किया

एजेंसी, नई दिल्ली/न्यूयॉर्क । अमेरिका की एक अदालत ने अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी और उनके भतीजे सागर अडाणी के खिलाफ प्रतिभूति एवं धोखाधड़ी से जुड़े आपराधिक मामले स्थायी रूप से खारिज कर दिया है। इसके साथ ही कथित धोखाधड़ी और रिश्वत के मामले में 2 साल से जारी कानूनी कार्यवाही अब समाप्त हो गई है। न्यूयॉर्क के 'यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट फॉर द ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट' ने न्याय विभाग के नियम 48(ए) के तहत दायर याचिका स्वीकार करते हुए आरोप पत्र में शामिल दूसरे, तीसरे और चौथे आरोपों को खारिज कर दिया। न्यायाधीश निकोलस गैरॉफिस ने अभियोजन पक्ष से मामले को वापस लेने के फैसले पर अतिरिक्त स्पष्टीकरण मांगने के बाद न्याय विभाग की याचिका को मंजूरी दे दी है। आरोपों को स्थायी रूप से खारिज किए जाने का अर्थ है कि आपराधिक कार्यवाही हमेशा के लिए समाप्त हो गई है और इन आरोपों को दोबारा दायर नहीं किया जा सकता। इन आरोपों में प्रतिभूति धोखाधड़ी की साजिश, वायर धोखाधड़ी की साजिश और प्रतिभूति धोखाधड़ी के आरोप शामिल थे। गौतम अडाणी ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि उन्होंने इसे विनम्रता और न्यायिक प्रक्रिया के प्रति गहरे सम्मान के साथ इसे स्वीकार किया है। अडाणी ने 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा, ''इस चुनौतीपूर्ण दौर में सत्य, निष्पक्षता और कानून के शासन में हमारा विश्वास कभी नहीं डिगा।

पीयू फोम बनाने वाली कंपनी शाम फोम का आईपीओ लॉन्च, 18 अगस्त को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

पॉलीयूरेथेन फोम (पीयू फोम) का उत्पादन और विपणन करने वाली कंपनी शाम फोम का 40.48 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 13 अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 14 अगस्त को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 17 अगस्त को अलॉटेड शेयर डिमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 18 अगस्त को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद दोपहर दो बजे तक इस आईपीओ को सिर्फ सोलह आवेदन मिले थे,

जिनके जरिये ये इश्यू महज 0.01 प्रतिशत सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 130 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 2,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,60,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 31.14 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। इसमें कोई ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) नहीं है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 47.50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व रखा गया है। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए भी 47.50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व रखा गया है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए पांच प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए कॉरपोरेट मेकर्स कैपिटल लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। जेएंडके सिक्योरिटीज एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है।

सिद्धि विनायक के द्वार पहुंचीं प्रियंका चोपड़ा
एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग के लिए भारत आई हैं एक्ट्रेस

ग्लोबल आइकॉन प्रियंका चोपड़ा इन दिनों भारत दौरे पर हैं। सोमवार को अभिनेत्री को मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर में देखा गया, जहां वे गणपति बप्पा का आशीर्वाद लेने पहुंची थीं। इस दौरान प्रियंका गुलाबी रंग के पारंपरिक सूट में बेहद खूबसूरत नजर आईं। मंदिर दर्शन के बाद अपनी कार की ओर बढ़ते हुए उन्होंने वहां मौजूद प्रशंसकों और पैपराजी का हाथ हिलाकर मुस्कुराते हुए अभिवादन स्वीकार किया। सोशल मीडिया पर उनके मंदिर दर्शन के तस्वीरें और वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं। प्रियंका चोपड़ा दिग्गज निर्देशक एसएस राजामौली की बहुचर्चित फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग के सिलसिले में भारत आई हुई हैं। कुछ ही दिनों पहले उन्हें हैदराबाद में अपने पति निक जोनस और बेटी मालती मैरी के साथ देखा गया था। हालांकि, सिद्धिविनायक मंदिर में दर्शन के दौरान उनके पति और बेटी साथ नजर नहीं आए। एसएस राजामौली के निर्देशन में बन रही भव्य फिल्म 'वाराणसी' को लेकर दर्शकों के बीच भारी उत्साह है। इस फिल्म में साउथ सुपरस्टार महेश बाबू मुख्य भूमिका में हैं, जबकि प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन भी महत्वपूर्ण किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म से महेश बाबू और प्रियंका का पहला लुक वीडियो पहले ही जारी किया जा चुका है, जिसे दर्शकों का शानदार रिस्पॉन्स मिला। फिल्म में प्रियंका चोपड़ा 'मंदाकिनी' नाम की एक इतिहासकार (हिस्टोरियन) का किरदार निभा रही हैं, जबकि महेश बाबू 'रुद्रा' और पृथ्वीराज सुकुमारन मुख्य खलनायक 'कुंभा' के रोल में दिखेंगे। प्रियंका की निजी जिंदगी पर नजर डालें तो उन्होंने अमेरिकी सिंगर निक जोनस से शादी की है। कुछ समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद दोनों ने 1 और 2 दिसंबर 2018 को राजस्थान के जोधपुर स्थित उम्मेद भवन पैलेस में बेहद भव्य तरीके से शादी रचाई थी। इस शाही शादी में केवल करीबी रिश्तेदार और दोस्त ही शामिल हुए थे। प्रियंका और निक ने हिंदू और क्रिश्चियन दोनों रीति-रिवाजों से विवाह किया था। क्रिश्चियन वेडिंग में प्रियंका ने राल्फ लॉरेन का डिजाइनर आउटफिट पहना था, वहीं हिंदू परंपरा से हुई शादी में वे सब्यसाची मुखर्जी के लाल लहंगे में नजर आई थीं। अब प्रियंका और निक एक बेटी के माता-पिता बन चुके हैं। सरोगेसी के जरिए जन्मी उनकी बेटी का नाम मालती मैरी चोपड़ा जोनस है। हालांकि प्रियंका ने अपनी बेटी का चेहरा रिवील कर दिया है, लेकिन वे अब भी उसे मीडिया और पब्लिक अपीयरेंस से थोड़ा दूर रखना पसंद करती हैं। प्रियंका अपनी निजी और पेशेवर जिंदगी के बीच बेहतरीन संतुलन बनाकर चल रही हैं। प्रियंका चोपड़ा को आखिरी बार हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' में देखा गया था। राजामौली की 'वाराणसी' के अलावा, उनके खाते में दो बड़ी अंग्रेजी फिल्में 'अमरी' (Amri) और 'जजमेंट डे' (Judgment Day) भी शामिल हैं। ये दोनों हॉलीवुड फिल्में फिलहाल पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में हैं।

निक जोनस पर चढ़ा 'देसी' रंग : कनाडा में भाई और दोस्तों संग चखा भारतीय जायका

ग्लोबल आइकॉन प्रियंका चोपड़ा के पति और अमेरिकी पॉप स्टार निक जोनस इन दिनों अपनी पत्नी और बेटी मालती मैरी के साथ भारत दौरे के बाद अब कनाडा में मौजूद हैं। वहां वे बहुचर्चित 'बूट्स एंड हार्ट्स म्यूजिक फेस्टिवल' में परफॉर्मेंस देने पहुंचे हैं। लेकिन इस बीच निक जोनस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जबरदस्त सुर्खियां बटोर रहा है, जिसमें वे पूरी तरह से 'देसी रंग' में रंगे नजर आ रहे हैं। कनाडा के एक भारतीय रेस्टोरेंट में निक जोनस अपने भाई जो जोनस और दोस्तों के साथ स्वादिष्ट इंडियन डिशेज का स्वाद लेते हुए दिखाई दिए। उनके इस अंदाज को देखकर फैंस कह रहे हैं कि निक जीजू अब अपनी पत्नी प्रियंका चोपड़ा से भी ज्यादा देसी बन चुके हैं। निक जोनस ने खुद अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें खाने की टेबल पर तरह-तरह के भारतीय व्यंजन सजे हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा— 'स्टफ्ड'। जिस रेस्टोरेंट में निक और उनके दोस्तों ने खाना खाया, उसने भी इस स्टार कपल के दौरे की तस्वीरें शेयर कीं। रेस्टोरेंट के मुताबिक, निक जोनस और उनकी टीम ने पारंपरिक भारतीय व्यंजनों का जमकर लुत्फ उठाया। उन्होंने मेन्यू में से प्याज की भजिया, मुर्ग मखनी, रानी कचौड़ी, रॉयल पिस्ता लैंब चॉप और पापड़ जैसे खास पकवान ऑर्डर किए थे। इस दौरान निक और उनके दोस्त खाने का स्वाद लेते हुए काफी खुश दिखाई दिए। निक जोनस के इस वीडियो पर भारतीय फैंस जमकर प्यार बरसा रहे हैं और मजेदार कमेंट्स कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, "अब तो निक जीजू प्रियंका चोपड़ा से भी ज्यादा इंडियन हो चुके हैं।" वहीं दूसरे यूजर ने कमेंट किया, "अब तक तो आप आधे भारतीय बन ही चुके हैं।" यह पहली बार नहीं है जब निक ने भारतीय खाने के प्रति अपना प्रेम जताया हो। इससे पहले एक चैट शो 'स्पीकिंग विद द हार्ट' में जब उनसे पसंदीदा भारतीय भोजन के बारे में पूछा गया था, तो उन्होंने खुलकर बताया था कि उन्हें बटर चिकन, पनीर, साग पनीर, मसाला पनीर, रायता, नान और चिकन बिरयानी बेहद पसंद है। उन्होंने यह भी खुलासा किया था कि जब भी वे भारतीय खाना ऑर्डर करते हैं, तो मेन्यू का काफी बड़ा हिस्सा मंगवाते हैं। निक जोनस और प्रियंका चोपड़ा की प्रेम कहानी की शुरुआत साल 2016 में हुई थी, जब निक ने प्रियंका को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर मैसेज भेजा था। इसके बाद दोनों की पहली मुलाकात 2017 के 'मेट गाला' रेड कार्पेट पर हुई। बाद में निक ने ग्रीस में प्रियंका को प्रपोज किया था। दोनों ने दिसंबर 2018 में राजस्थान के जोधपुर स्थित उम्मेद भवन पैलेस में एक भव्य समारोह के दौरान शाही अंदाज में शादी रचाई थी। उन्होंने हिंदू और क्रिश्चियन दोनों रीति-रिवाजों से शादी की थी, जिसमें दोनों परिवारों के करीबी लोग और दोस्त ही शामिल हुए थे। आज दोनों एक खुशहाल शादीशुदा जिंदगी बिता रहे हैं और उनकी एक बेटी मालती मैरी भी है।

झारखंड में लाठीचार्ज से भड़के प्रकाश राज बोले- बर्बरता से अहंकारी सत्ता का पतन तय

झारखंड की राजधानी रांची में प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली के खिलाफ सड़क पर उतरे अभ्यर्थियों और पुलिस के बीच तीखी झड़प के बाद स्थिति बेहद तनावपूर्ण हो गई है। झारखंड लोक सेवा आयोग (JPSC) और कर्मचारी चयन आयोग (JSSC) की परीक्षाओं में कथित धांधली को लेकर 'विधानसभा घेराव' करने जा रहे छात्रों पर पुलिस द्वारा किए गए बल प्रयोग की अब चौतरफा आलोचना हो रही है। मशहूर अभिनेता प्रकाश राज ने इस कार्रवाई पर कड़ा ऐतराज जताते हुए सत्ता पक्ष पर निशाना साधा है। दक्षिण भारतीय व बॉलीवुड अभिनेता प्रकाश राज ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर रांची प्रदर्शन का एक वीडियो साझा किया। इस वीडियो में प्रदर्शनकारी छात्रों को हटाने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ते, वॉटर कैनन का उपयोग करते और लाठीचार्ज करते देखा जा सकता है। वीडियो साझा करते हुए अभिनेता ने सख्त लहजे में लिखा— "क्यों... क्यों... क्यों। यह बर्बरता अब काम नहीं आएगी... इससे बस अहंकारी सत्ता ही गिरेगी।" यह पूरा मामला JPSC-JSSC रिफॉर्म मंच के बैनर तले आयोजित 'विधानसभा घेराव' आंदोलन से जुड़ा है। सोमवार को जब बड़ी संख्या में परीक्षार्थी अपनी मांगों को लेकर विधानसभा परिसर की ओर बढ़ने लगे, तो पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के बीच झड़प हो गई। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए प्रशासन ने वॉटर कैनन, आंसू गैस और लाठियों का सहारा लिया। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, तीसरी बार हुए लाठीचार्ज के बावजूद छात्र अपनी मांगों पर अड़े रहे।

जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में पिछले कई दिनों से चल रहे अनिश्चितकालीन धरने का नेतृत्व कर रहे छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो, जो पिछले नौ दिनों से भूख हड़ताल पर हैं, उन्होंने इस कार्रवाई पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया। देवेंद्र महतो ने कहा कि यह आंदोलन किसी एक व्यक्ति का नहीं है, बल्कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे उन लाखों अभ्यर्थियों की आवाज है जो अपनी किताबों के दम पर अपना भविष्य संवारना चाहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन जबरन उनकी आवाज को दबाने की कोशिश कर रहा है। आंदोलनकारी छात्रों ने राज्य सरकार द्वारा मामले की जांच सीआईडी (CID) को सौंपने के कदम को खारिज कर दिया है। अभ्यर्थियों का आरोप है कि भर्ती प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर वित्तीय गड़बड़ियां हुई हैं, इसलिए इसकी निष्पक्ष जांच के लिए मामले को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) और प्रवर्तन निदेशालय (ED) को सौंपा जाना चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने साफ कर दिया है कि पुलिसिया कार्रवाई और दमनकारी नीतियों के बावजूद उनका संघर्ष मांगें पूरी होने तक जारी रहेगा।

जॉर्ज और अमल क्लूनी के तलाक की खबर का सच: एमा वॉटसन के नाम पर सोशल मीडिया पर बवाल

हॉलीवुड के सबसे चर्चित और प्रभावशाली जोड़ों में शुमार दिग्गज अभिनेता जॉर्ज क्लूनी और मानवाधिकार वकील अमल क्लूनी एक बार फिर अचानक सुर्खियों में आ गए हैं। लगभग 12 सालों से एक-दूसरे के साथ एक मजबूत और खुशहाल शादीशुदा जिंदगी बिता रहे इस स्टार कपल के अलग होने की खबरें इंटरनेट पर जंगल की आग की तरह फैल रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि दोनों के रिश्ते में दरार आ चुकी है और वे तलाक की ओर बढ़ रहे हैं। हालांकि, गहराई से पड़ताल करने पर यह साफ हो जाता है कि ये सभी खबरें महज मनगढ़ंत अफवाहें हैं, जिनका सच्चाई से कोई लेना-देना नहीं है। दिलचस्प बात यह है कि क्लूनी दंपत्ति के तलाक की इन झूठी अफवाहों के केंद्र में 'हैरी पॉटर' फेम मशहूर ब्रिटिश अभिनेत्री एमा वॉटसन का नाम घसीटा जा रहा है।

तलाक और एमा वॉटसन के बीच अफेयर की अटकलों को हवा तब मिली जब हाल ही में रविवार को कुछ तस्वीरें इंटरनेट पर सामने आईं। इन तस्वीरों में अभिनेत्री एमा वॉटसन को इटली के प्रसिद्ध 'लेक कोमो' स्थित जॉर्ज और अमल क्लूनी के आलीशान प्राइवेट विला में प्रवेश करते हुए देखा गया। तस्वीरों में साफ दिख रहा था कि एमा एक प्राइवेट नाव (बोट) से उतरकर क्लूनी परिवार के निजी डॉक की तरफ बढ़ रही थीं। फैशन और सेलिब्रिटी मैगजीन 'हार्पर बाजार' की एक रिपोर्ट के अनुसार, एमा वॉटसन के इस दौरे का सटीक कारण स्पष्ट नहीं है। हालांकि, माना जा रहा है कि एमा या तो क्लूनी परिवार से मिलने पहुंची थीं या फिर जॉर्ज और अमल की अनुपस्थिति में उनके मेहमान के तौर पर कुछ वक्त बिताने वहां गई थीं। लेकिन जैसे ही ये तस्वीरें सार्वजनिक हुईं, सोशल मीडिया पर फर्जी दावों की बाढ़ आ गई। एमा वॉटसन की इस यात्रा को कुछ सनसनीखेज कंटेंट बनाने वाले सोशल मीडिया हैंडल्स ने गलत तरीके से पेश करना शुरू कर दिया। कुछ डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर फर्जी और एडिटेड (मॉर्फ्ड) तस्वीरों को शेयर किया गया, जिसमें यह दिखाने की कोशिश की गई कि जॉर्ज क्लूनी खुद डॉक पर एमा वॉटसन का हाथ थामकर उन्हें ले जाते दिख रहे हैं। हालाँकि, तथ्यात्मक जांच में यह साबित हो गया कि वे तस्वीरें पूरी तरह से नकली थीं और एमा वॉटसन इटली की उस यात्रा पर बिल्कुल अकेली ही थीं। जॉर्ज क्लूनी उनके साथ मौजूद नहीं थे। इसके बावजूद, सोशल मीडिया यूजर्स ने बिना सच जाने जॉर्ज क्लूनी और एमा वॉटसन के बीच किसी गुप्त रिश्ते के होने के कयास लगाने शुरू कर दिए और यहीं से तलाक की अफवाहों को नया मोड़ मिल गया। जॉर्ज और अमल क्लूनी के रिश्ते में अनबन की फर्जी खबरों को सबसे पहले मनोरंजन जगत की गॉसिप वेबसाइट 'रडार ऑनलाइन' ने हवा दी थी। वेबसाइट ने अज्ञात और कथित 'अंदरूनी सूत्रों' का हवाला देते हुए एक बेहद सनसनीखेज दावा किया था। रिपोर्ट में कहा गया था कि जॉर्ज और अमल अपनी 12 साल पुरानी शादी को खत्म करने जा रहे हैं और यह $600 मिलियन (भारतीय मुद्रा में करीब 5,000 करोड़ रुपये) का एक भारी-भरकम और महंगा तलाक साबित हो सकता है। रिपोर्ट में अमल क्लूनी के एक पुराने इंटरव्यू के बयान का गलत अर्थ निकाला गया। अमल ने एक बातचीत के दौरान हल्के-फुल्के अंदाज में कहा था कि 'शादी से पहले की जिंदगी थोड़ी आसान हुआ करती थी'। इसी एक बयान को आधार बनाकर यह दावा गढ़ दिया गया कि अमल अपनी शादी से परेशान हैं और वे तलाक की तैयारी में हैं। हालांकि, 'रडार ऑनलाइन' के इस दावे के बाद दुनिया के किसी भी अन्य प्रमुख या विश्वसनीय अंतरराष्ट्रीय मीडिया हाउस ने इस खबर की पुष्टि नहीं की। न ही जॉर्ज और न ही अमल क्लूनी की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक बयान आया, जिससे साफ हो गया कि यह सिर्फ एक बेसलेस गॉसिप थी। इस पूरे घटनाक्रम के बीच यह भी सामने आया है कि हाल ही में फ्रांस में जंगलों में लगी भीषण आग (वाइल्डफायर) के कारण जॉर्ज और अमल को एहतियातन फ्रांस स्थित अपना घर खाली करना पड़ा था। सुरक्षा कारणों से इस समय यह स्पष्ट नहीं है कि क्लूनी दंपत्ति वर्तमान में किस शहर या देश में मौजूद हैं। शायद इसी बात का फायदा उठाकर जब एमा वॉटसन उनके खाली पड़े लेक कोमो वाले घर पर पहुंचीं, तो अफवाह फैलाने वालों ने इसका गलत मतलब निकालकर क्लूनी परिवार के टूटने की पटकथा लिख डाली। साल 2014 में इटली के वेनिस शहर में एक बेहद भव्य और यादगार समारोह में शादी के बंधन में बंधे जॉर्ज क्लूनी और अमल क्लूनी हॉलीवुड के सबसे स्टेबल और सम्मानित कपल्स में से एक माने जाते हैं। अपने दो बच्चों के साथ दोनों एक बेहतरीन पारिवारिक जीवन जी रहे हैं। फैंस और मीडिया विश्लेषकों का भी यही मानना है कि एमा वॉटसन और जॉर्ज क्लूनी का नाम जोड़कर फैलाई जा रही यह खबर महज क्लिकबेट और पब्लिसिटी स्टंट है। एडिटेड तस्वीरों और अनाम सूत्रों के सहारे बुनी गई यह कहानी पूरी तरह से फर्जी साबित हो चुकी है, और जॉर्ज व अमल क्लूनी का रिश्ता आज भी उतना ही मजबूत है जितना पहले था।

CINTAA में घमासान : 8 सदस्यों के इस्तीफे के बाद विवाद गहराया, पद्मिनी कोल्हापुरे बोलीं- 'अच्छे काम से तकलीफ हो रही है'

आसिने एंड टीवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन (CINTAA) में आंतरिक कलह खुलकर सामने आ गई है। एग्जिक्यूटिव कमिटी के आठ निर्वाचित सदस्यों द्वारा एक साथ इस्तीफा दिए जाने के बाद सिने जगत में हड़कंप मच गया है। इस्तीफा देने वाले सदस्यों ने संस्था की प्रेसिडेंट पूनम ढिल्लों और सीनियर वाइस प्रेसिडेंट पद्मिनी कोल्हापुरे पर पद का दुरुपयोग करने, तानाशाही रवैया अपनाने और मनमाने ढंग से फैसले लेने का गंभीर आरोप लगाया है। बागी गुट का दावा है कि कमिटी भंग हो चुकी है और अब संस्था में तुरंत नए सिरे से चुनाव कराए जाने चाहिए। इस्तीफा देने वाले प्रमुख चेहरों में पुनीत इस्सर, मुकेश ऋषि, हेमंत पांडे, विंदू दारा सिंह, साहिला चड्ढा, हेतल परमार, विकास वर्मा और दीपक पाराशर जैसे दिग्गज कलाकार शामिल हैं।

इस पूरे विवाद पर सीनियर वाइस प्रेसिडेंट पद्मिनी कोल्हापुरे ने अपना पक्ष रखते हुए सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि CINTAA की कार्यकारिणी भंग नहीं हुई है और कमिटी में अभी भी 15 सदस्य मौजूद हैं। पद्मिनी के मुताबिक, एक्स्ट्राऑर्डिनरी जनरल मीटिंग (EGM) पूरी तरह से संवैधानिक और लोकतांत्रिक नियमों के तहत आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि जब कोई संगठन में ईमानदारी से अच्छा काम करता है, तो कुछ लोगों को उससे तकलीफ होने लगती है। पूनम ढिल्लों और वे खुद बिना किसी मानदेय के केवल कलाकारों और जरूरतमंद सदस्यों की भलाई के लिए दिन-रात काम कर रही हैं। मनमानी के आरोपों का जवाब देते हुए उन्होंने साफ किया कि सिन्टा में कोई भी फैसला अकेला व्यक्ति नहीं लेता, बल्कि सभी निर्णय कमिटी के बहुमत से ही पास होते हैं। दूसरी तरफ, CINTAA की महासचिव उपासना सिंह ने बागी सदस्यों का समर्थन करते हुए दावा किया कि कुल 11 लोगों ने अपने पदों से इस्तीफा दिया है, जिनमें 8 निर्वाचित प्रतिनिधि हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि शीर्ष पदाधिकारी कार्यकारिणी के बाकी सदस्यों की बातों को नजरअंदाज कर रही हैं। बिना किसी ठोस वजह के लोगों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जा रहे हैं और मनमाने तरीके से जिम्मेदारियां बदली जा रही हैं। उपासना सिंह का कहना है कि 50 फीसदी से अधिक सदस्यों के हटने के बाद यह कमिटी अपनी वैधता खो चुकी है। विवाद बढ़ता देख फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने इंप्लॉइज (FWICE) ने भी इस मामले में दखल दिया है। फेडरेशन के अध्यक्ष बीएन तिवारी ने वर्तमान पदाधिकारियों द्वारा बुलाई गई EGM पर सवाल उठाते हुए चेतावनी जारी की है। FWICE का मानना है कि आधे से ज्यादा निर्वाचित प्रतिनिधियों के इस्तीफे के बाद मौजूदा समिति का अस्तित्व समाप्त हो चुका है। ऐसे में किसी भी प्रकार की बैठक बुलाने के बजाय नियम के अनुसार नए चुनाव की प्रक्रिया शुरू की जानी चाहिए।

शूटिंग में बिजी हैं दीपिका पादुकोण : डिलीवरी से पहले पूरा करेंगी 'राका' का काम

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी के सफर का पूरा आनंद ले रही हैं और इस दौरान भी अपने काम को लेकर उनकी निष्ठा बरकरार है। जल्द ही दूसरे बच्चे को जन्म देने जा रही दीपिका प्रेग्नेंसी के इस दौर में भी लगातार शूटिंग में व्यस्त हैं। वे इन दिनों साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन के साथ अपनी आगामी बड़ी फिल्म 'राका' पर काम कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स और फिल्मफेयर के अनुसार, दीपिका पादुकोण की डिलीवरी सितंबर में होने की उम्मीद है। वे अपने मैटरनिटी ब्रेक पर जाने से पहले फिल्म 'राका' के अपने हिस्से की शूटिंग हर हाल में पूरी कर लेना चाहती हैं। इसके लिए वे सेट पर घंटों बिता रही हैं और आवश्यकता पड़ने पर देर रात तक भी काम कर रही हैं। आठ महीने की गर्भवती होने के बावजूद उनके इस पेशेवर रवैये और मेहनत की फिल्म की पूरी टीम और क्रू मेंबर्स जमकर सराहना कर रहे हैं। दीपिका हाल के दिनों में अपनी कुछ बड़ी फिल्मों से बाहर होने की खबरों को लेकर भी चर्चा में रही थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म 'स्पिरिट' और 'कल्कि 2' से उनके अलग होने की बातें सामने आई थीं। कहा गया कि काम के सीमित घंटों (8 घंटे की शिफ्ट) जैसी शर्तों के कारण उन्हें अनप्रोफेशनल बताया गया और निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की 'स्पिरिट' में उनकी जगह तृप्ति डिमरी को शामिल कर लिया गया। वहीं, 'कल्कि 2' के निर्माताओं ने भी दूसरे भाग में दीपिका के न होने की पुष्टि की थी। हालांकि, इन सब के बीच दीपिका जल्द ही सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही फिल्म 'किंग' में शाहरुख खान, सुहाना खान, रानी मुखर्जी और अभिषेक बच्चन के साथ नजर आएंगी। दीपिका पादुकोण और अभिनेता रणवीर सिंह ने लंबे समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद 14 नवंबर 2018 को इटली के लेक कोमो में शाही अंदाज में शादी की थी। शादी के बाद दोनों ने 8 सितंबर 2024 को अपनी पहली संतान के रूप में एक प्यारी बेटी का स्वागत किया, जिसका नाम उन्होंने 'दुआ' रखा है। अब यह स्टार कपल जल्द ही अपने दूसरे बच्चे के आगमन की तैयारियों में जुटा हुआ है।

Monsoon Session: Govt offers Amit Shah statement in Parliament opposition doesn't relent

New Delhi, Agency: Govt Monday agreed to a debate in Parliament on the recent student protest and home minister Amit Shah's statement on the issue, but it failed to break the impasse as Congress insisted that all its demands, including PM Modi's apology for alleged police excesses against protesters and a statement on embezzlement of Ram temple funds, be met.

"Congress and Rahul Gandhi have been demanding a statement from Shah from day one (of Parliament's monsoon session). Govt is ready to hold a discussion and give a detailed response. I request Congress not to walk out during his (Shah's) statement. It should not be scared and run away," parliamentary affairs minister Kiren Rijiju said.

The opposition, however, persisted with its protests, leading Rijiju to accuse Rahul of shifting goalposts. The leader of the opposition said all the issues raised by Congress are "non-negotiable" .

It appears that his intention is to prevent the House from functioning. Rahul Gandhi, do not run away from discussion. We are prepared to discuss every issue inside the House," Leader of the House in Rajya Sabha J P Nadda said after Rahul was joined by Congress president Mallikarjun Kharge in rejecting govt's proposal. Nadda also denied that police had fired at protesters on July 20.

Marred by opposition protests since the session began on July 20, except for an animated debate on the NEET paper leak and related issues, LS again faced a couple of adjournments Monday before Rijiju conveyed govt's proposal.

Rijiju had put forth govt's stand earlier at a meeting of floor leaders of different parties chaired by Speaker Om Birla, and some opposition MPs saw in it a bid to divide their ranks, as the minister made no commitment to the demand of a discussion on the theft of donations at Ram temple, a demand primarily taken by Samajwadi Party. The opposition has, however, so far not laid out the sequence in which they wanted the issues to be discussed. SP chief Akhilesh Yadav said the breach of faith of crores of devotees was not a normal issue and it must be discussed. Speaking to reporters later, both Kharge and Rahul said Shah must make a statement in Parliament on who authorised the "brutality" on students. Rahul said the country was not interested in Shah's "fantasy conversations" on general issues but wanted to know specifically if he ordered the shooting of pellet guns and use of nail-studded lathis on students. "Shah should come clean... We are seeking his resignation," he said. All three demands are non-negotiable, Kharge stressed, suggesting the stand-off is unlikely to end in days to come as monsoon session ends Aug 13. In a counter presser.

Nadda accused Rahul of misleading people by making a baseless allegation that shots were fired at student protesters during their march to Parliament on July 20. "Rahul has been disrupting the House for over 15 days by speaking lies and spreading confusion.

Images disturb me deeply': Congress' Sam Pitroda questions 'use of force' against Jharkhand students

New Delhi, Agency: Congress leader Sam Pitroda on Monday backed protesting students in Jharkhand as an agitation over alleged irregularities in JPSC and JSSC recruitment examinations intensified in Ranchi. Criticising the government's use of lathis, tear gas and water cannons, Pitroda called for "reform, accountability and compassion" as the protests entered their 18th day.

The development comes as the Jharkhand students' 'Vidhan Sabha gherao' march in Ranchi on Monday saw police use lathis and water cannons to disperse protesters. The march was organised over alleged irregularities in examinations conducted by the Jharkhand Public Service Commission (JPSC) and Jharkhand Staff Selection Commission (JSSC).

The protesters are demanding, among other measures, the cancellation of the JSSC-Combined Graduate Level (CGL) examination, a Central Bureau of Investigation (CBI) probe into alleged irregularities and reforms in the recruitment process.

In a series of posts on X, the Indian Overseas Congress (IOC) global chairman said the grievances of young people should be addressed through dialogue.

"The images from Ranchi disturb me deeply", he wrote.

Pitroda said students should not be met with force, calling them India's future and expressing solidarity with Jharkhand's youth. In another post, Pitroda said, "Democracy requires governments to create space for peaceful dissent, dialogue and resolution.

Pitroda's remarks came after Congress leader Rahul Gandhi also condemned the police action and called for dialogue with the protesting students, urging the Jharkhand government to address their grievances. The Hemant Soren-led Jharkhand government is run by a JMM-led coalition in which the Congress is a partner.

New Parliament, PM house, why not new govt schools in villages' CJP's Dipke announces nationwide campaign

New Delhi, Agency: Cockroach Janta Party (CJP) founder Abhijeet Dipke has announced a nationwide campaign to improve government schools in villages, seeking to address the "neglect of rural educational infrastructure".

The campaign will be launched on August 15, with the CJP calling on citizens, parents and village leaders to work together to improve basic facilities in government schools.

Dipke said he would launch the initiative from his village in Hingoli, Maharashtra, by approaching the village head and requesting him to take steps to improve government schools there.

"The coming 15th August is our 80th Independence Day. But, if anything has been neglected or ignored the most in the last 80 years, it is the government schools in our villages," Dipke said on Monday. We have made a new Parliament, a new PM house. Why have we not been able to build new schools in our villages? Do we not consider the children of farmers and labourers the future of our country?" he asked. Dipke said children in villages continue to face difficulties in accessing schools and basic facilities such as drinking water and toilets.

Even today, village children have to walk a long distance to go to school. After going there, they don't find water or toilet facilities," he said, highlighting the difficulties faced by girls in particular. I feel that on this 15th August, if we should pay attention to anything, if we should make a new start, we should start by improving our government schools," he said.

As part of the campaign, the CJP has appealed to sarpanches across the country to take up the task of improving government schools in their respective villages.

Dipke said he would personally approach the village head in Hingoli and urged other sarpanches to do the same in their villages.

The organisation has termed the initiative the "Sarpanch Challenge", under which it plans to publicly recognise village heads who improve their schools by sharing before-and-after photographs on its social media platforms and giving credit to the sarpanches concerned. We will give you credit so that after seeing you, after seeing the schools that you have improved, many other village heads also start improving schools in their villages," Dipke said.

The CJP has also called for a citizen-led social audit of government schools.

Parents whose children study in government schools have been asked to visit the institutions and check basic facilities, including electricity, clean drinking water, functional washrooms and mid-day meals.

You go to your children's schools and see if basic facilities are available. See if there is electricity, water... Do your children get washroom facilities? Do they get mid-day meals?" Dipke said.

He urged parents to record videos if basic facilities were unavailable. The CJP said it would soon issue a printable audit form through which citizens could record the facilities available at their children's schools and those that were missing.

The form will be shared through links on campaign videos on the CJP's official social media platforms and completed forms and video evidence can be emailed to the organisation.

The campaign aims to ensure that children of farmers and wage labourers studying in village schools have access to facilities comparable to those available to children in cities.

If not, you make videos of it. Because your children's schooling should be good. That is your fundamental right," Dipke said. Let us all make a promise to the children who live in villages that we will improve their schools. Together, we can do this," he said, concluding his video with the message, "Real India lives in villages.

Safari in snow leopard home? Conservationists say Ladakh is no Kaziranga

Srinagar, Agency: A safari car can roll past a rhino in Kaziranga. In Ranthambore, it can track a tiger. Put that car in Ladakh. For its elusive snow leopards - masters of camouflage in a landscape where survival depends on staying unseen - the question is whether tourism can get close enough to see them without making them disappear for good.

Ladakh has planned to introduce guided wildlife safaris on popular snow leopard and bird-watching trails, triggering warnings from conservationists that turning a fragile high-altitude wilderness into a tourist circuit could disturb wildlife, commercialise off-roading and open the door to roads, eateries and other tourism infrastructure. You cannot see a snow leopard from a jeep unless you do something illegal like placing bait or a sheep to lure it," said Dr MK Ranjitsinh, emeritus member of Wildlife Trust of India, who has spent nearly 50 years shaping conservation strategies and played a key role in framing the Wildlife (Protection) Act of 1972 and Project Tiger. Kaziranga is not Ladakh and Ranthambore is not Ladakh. The ecology is completely different," he added.

In Ladakh's open valleys, vehicles can be visible from miles away. Vegetation is concentrated along valley bottoms, drawing animals there to feed and drink. "Are you taking a safari there?" he asked.

Ladakh is home to 477 of India's estimated 718 snow leopards - the country's largest population. It also supports more than 38 mammal species, 340 bird species and 1,800 vascular plant species. But spotting a snow leopard is a needle-in-a-haystack affair. Its thick, mottled coat melts into rocky slopes, while steep, remote terrain gives it a vast natural advantage. The Ladakh govt spokes person said lieutenant governor Vinai Kumar Saxena safaris modelled on national parks such as Kaziranga and Ranthambore, using specially designed open-back and guides.

Technology is helping ICICI Prudential Life bring down its savings cost-to-premium ratio

Mumbai: ICICI Prudential Life Insurance's sustained investment in technology and automation along with other cost optimisation initiatives has played a central role in bringing down its cost-to-premium ratio for the savings line of business to 13.6% in Q1-FY2027. It has reduced by 50 basis point over the previous year, even as the Company continues to scale its business.

Commenting on this, Mr. Ganessan Soundiram, Chief Technology Officer, ICICI Prudential Life Insurance, said, "At ICICI Prudential Life Insurance, our investments in bolstering the Company's digital infrastructure have not only empowered our customers but also enabled us to deliver an enhanced customer experience across their policy life cycle.

We are leveraging AI, analytics and platforms such as ICICI Pru Partner Stack, IPRU Edge, etc. to strengthen customer acquisition, distributor effectiveness, servicing and operational efficiency. When we built our technology stack, the goal was never automation for its own sake. It was about taking out the friction and the cost that come from manual processes, so that savings get passed on more efficiently and customers get a faster, simpler experience. That same thinking is now helping us to improve operational efficiency.

India move will muddle border talks

Guwahati, Agency: China has hit back sharply at India for assigning standard names to 27 geographical locations in Arunachal Pradesh, with the state-run Global Times claiming these areas are in China's 'Zangnan' region - Beijing's term for Arunachal Pradesh and adjoining areas that it claims as part of Tibet Autonomous part.

The daily reiterated that Chinese foreign ministry spokesperson Guo Jiakun said at a routine press briefing on April 14 that the Zangnan region is China's territory and "China does not recognise the so-called 'Arunachal Pradesh' illegally set up by India. It is fully within China's sovereign rights for the Chinese govt to issue standard names for some of the places in Zangnan.

The reaction came three days after India's Survey of India updated its official map to identify 21 land areas, four passes, a high-altitude glacial lake and a 1962 war hero monument in Arunachal Pradesh, which govt said was an exercise to ensure the "correct identification" of places and enhance public awareness of their geographical and historical significance.

Global Times reported on Sunday night that the mapping by India came shortly after the 36th meeting of the Working Mechanism for Consultation and Coordination on China-India Border Affairs (WMCC), held on Aug 6 in New Delhi, where officials from both sides discussed control, mechanism building and cross-border cooperation.